● वर्ष-2
● अंक-243
रायपुर, शुक्रवार
02 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

मेरा फोन टैप किया जा रहा है: राहुल

मोदी सरकार पर साधा निशाना, कहा- देश में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं

कैलिफोर्निया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया तो उन्होंने नहीं सोचा था कि लोकसभा से उनकी अयोग्यता संभव है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों की सेवा करने का एक बड़ा अवसर उन्हें मिला है। अपने अमेरिकी दौरे के दौरान कैलिफोर्निया में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि नाटक वास्तव में लगभग छह महीने पहले शुरू हुआ था। हम संघर्ष कर रहे थे। भारत में पूरा विपक्ष विशाल वित्तीय प्रभुत्व, संस्थागत कब्जे के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। हम अपने देश में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तब से शुरू हुआ जब उन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी राष्ट्रव्यापी %भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने का फैसला किया।

कांग्रेस नेता को इस साल की शुरुआत में संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्हें सूरत की एक अदालत ने 2019 में उनकी मोदी उपनाम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराया था। उन्होंने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट हूं, हमारी लड़ाई हमारी लड़ाई है। लेकिन यहां भारत के युवा छात्रों का एक समूह है। मैं उनके साथ संबंध बनाना चाहता हूं और उनसे बात करना चाहता हूं कि ऐसा करना मेरा अधिकार है।

बाद में सिलिकॉन वैली स्थित स्टार्टअप उद्यमियों के एक समूह के साथ बात करते हुए कांग्रेस नेता ने डेटा गोपनीयता के मुद्दे पर भी चर्चा

की। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर फोन टैपिंग का मुद्दा उठाते हुए भारत सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने पेगागस और इस तरह की अन्य तकनीकों के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि उन्हें पता था कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। लेकिन वे इससे परेशान नहीं हैं। इतना ही नहीं राहुल अपना फोन निकाला और मजाक में कहा- हैलो! मिस्टर मोदी।

विपक्षी एकजुटता पर जोर देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्ष ''ठीक से एकजुट'' हो जाए तो केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराया जा सकता है। अपने संबोधन में गांधी ने भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों को ''धमकाने'' तथा देश की एजेंसियों का ''दुरुपयोग'' करने का आरोप भी लगाया। राहुल ने कहा था कि कुछ लोग भारत में ऐसे हैं जिनको लगता है कि वो सब कुछ जानते हैं, और वह भगवान से ज्यादा जानते हैं। राहुल ने तो यह भी कह दिया कि पीएम मोदी भगवान के साथ बैठ कर उनको समझा सकते हैं कि आखिर ब्रम्हांड कैसे काम करता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया।

गुरु नानक थाइलैंड गए थे, राहुल के बयान पर बीजेपी नेता ने कहा- बेवकूफी के नाम पर कितना कुछ माफ करें

भाजपा के सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने राहुल गांधी के गुरु नानक थाईलैंड गए वाले बयान का विरोध करते हुए पूछा कि कांग्रेस नेता को यह जानकारी कहां से मिली। सिरसा ने कहा कि आपकी मूर्खता के नाम पर हमें कितना क्षमा करते रहना चाहिए? आपने कहाँ पढ़ा कि गुरु नानक थाईलैंड गए थे? क्या यह अपेक्षा करना बहुत अधिक है कि जब धर्म की बात आती है तो आप एक समझदार बुद्धिमान व्यक्ति की तरह बात करना चाहिए।

राहुल गांधी अमेरिका में एक सभा में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के बारे में बोल रहे थे, उन्होंने गुरु नानक और विनम्र होने की उनकी शिक्षाओं का उल्लेख किया। राहुल ने अमेरिका के सैन फ्रांसिसको में कहा था कि हम गुरु नानक जी की तुलना में कुछ भी नहीं चले। मैंने कहीं पढ़ा है कि गुरु नानक जी मक्का, सऊदी अरब गए थे, वे थाईलैंड गए थे, वे श्रीलंका गए थे। इसलिए, इन दिग्गजों ने हमसे पहले भारत जोड़ो किया था। राहुल गांधी ने कहा कि मैं कर्नाटक के अपने दोस्तों, बसवन्ना जी, केरल के अपने दोस्तों, नारायणगुरु जी के लिए भी यही कह सकता हूं। भारत के हर राज्य में ये दिग्गज हुए हैं ... आदि शंकराचार्य .. जिन्होंने कहा कि एक दूसरे को सुनो, सम्माननीय बनें।

बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि या तो दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देगी, जहां उन्होंने गुरु नानक की तुलना उनके भारत जोड़ो यात्रा से की है।

विदेश में देश को बदनाम कर रहे कांग्रेस नेता भाजपा

अब इसी को लेकर भाजपा को ओर से पलटवार किया जा रहा है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी नफरत का बाजार फैला रहे हैं। राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राहुल पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल दुनिया में नफरत का बाजार फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के खिलाफ राहुल का नफरत का बाजार है। वद विदेश में देश को बदनाम करते हैं। राहुल का मोहब्बत का पैगाम बहाना है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी ने नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है।

पूरी दुनिया उन्हें एक 'मसखरे' के रूप में जानती है

गिरिराज सिंह ने राहुल पर हमला करते हुए कहा कि पूरी दुनिया उन्हें एक ''मसखरे'' के रूप में जानती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व उनकी समझ से परे है। गिरिराज सिंह ने गुजरात में थे जहां उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आणंदके 42वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण में लगी रहती है। उन्होंने कहा कि गांधी स्वयं नहीं जानते कि वे क्या बोलते हैं। उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया उन्हें 'मसखरे' के रूप में जानती है। उनकी दादी ने एक बार संसद में कहा था कि भारत के प्रधानमंत्री विदेशी धरती पर पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी ओर, उनका पोता (अपनी विदेश यात्राओं के दौरान) भारत पर आक्षेप लगा रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि चलो कम से कम राहुल गांधी ने भगवान को याद तो किया।

इन दिनों

✍ श्याम यादव

भविष्य की राजनीतिक राह तय करेगा 2023

नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 2014 में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हाल ही में अपने कार्यकाल के नौ साल पूरे किए। भाजपा सरकार के नौ साल की सफलता का इस साल होने वाले 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव पर कितना असर पड़ेगा, ये देखना दिलचस्प होगा। इसके साथ 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव भी भाजपा के कार्यकाल का मूल्यांकन करेंगे। हाल ही में इन 9 राज्यों में से एक राज्य कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और पार्टी प्रमुख ने कई रैलियां की। अंतिम दिनों में तो पार्टी ने अपनी हिंदूवादी छवि को सामने रखकर %जय बजरंगबली% का नारा तक लगवाया। लेकिन, बात जमी नहीं और भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। 2018 में जिस निर्वाचित कांग्रेस सरकार को भाजपा ने ऑपरेशन लोटस के तहत हासिल किया था, वापस कांग्रेस को सौंपना पड़ी। गौर करने वाली बात है कि पिछले साल उत्तर प्रदेश में पार्टी ने अपनी हिंदू वादी छवि और भगवान श्रीराम के नाम पर सत्ता में वापसी की थी। लेकिन, कर्नाटक में बजरंगबली का नारा लगवाने के बावजूद पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इसका सीधा सा मतलब है, कि अब मतदाता हिंदुत्व की लहर पर सवार नहीं है। केंद्र की जगह राज्य के मुद्दे और वहां की परिस्थितियों और अपनी समस्याओं को देखकर ही वो वोट देता है। प्रधानमंत्री और पार्टी केंद्र में अपने 9 साल के राज्य शासन के दौरान किए गए तमाम कार्यों को जनता तक पहुंचाने में जुटे हैं। लेकिन, इस साल होने वाले 9 राज्यों के चुनाव, जिनमें कर्नाटक का परिणाम आ चुका है और शेष रहे मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय,नागालैंड और मिजोरम के चुनाव होना बाकी है। वहां के चुनाव नतीजे अगले लोकसभा चुनाव के लिए चुनौती बनेंगे या भाजपा का रास्ता साफ करेंगे, ये अभी देखना है। लेकिन, कर्नाटक से हुआ इसका आगाज भाजपा के लिए सुखद नहीं रहा। इससे पहले 2022 के अंत में हुए चुनावों में जहां भारतीय जनता पार्टी को अपने शासित एक राज्य हिमाचल प्रदेश से हाथ धोना पड़ा था। इस साल की शुरुआत में उसने अपने शासित एक राज्य कर्नाटक को भी खो दिया। जिन राज्यों में चुनाव होना है, उनमें छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है, तो तेलंगाना में टीआरएस की सरकार। इन्हीं तीनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी चुनौती है। यहां शासित सरकारों पर अपना कब्जा करने की। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में भी 2018 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त खानी पड़ी थी। लेकिन, कांग्रेस से बगावत करने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों के बल पर यहां शिवराज सिंह चौहान दोबारा सत्ता पर काबिज हो गए। कांग्रेसी यहां अपनी सरकार को पुन: हथियाने के लिए जोड़-तोड़ में जुटी है। वह भी उस समय, जब यहां शासित भारतीय जनता पार्टी सरकार में अंदरुनी कलह जोरों पर है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व कैलाश जोशी के पुत्र और सरकार में मंत्री रहे दीपक जोशी का भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना और कई भाजपाई नेताओं के पार्टी छोड़ने के कयासों के बीच कांग्रेस, गुटबाजी के बावजूद सरकार में आने को लालायित है। वहीं कर्नाटक के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी जहां टीआरएस की सरकार है विधानसभा चुनाव में मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावनाएं है।

नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल ने राष्ट्रपति मुर्मू से की मुलाकात

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। नेपाल के पीएम 4 दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू से नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने प्रधान मंत्री प्रचंड का स्वागत किया।

दुश्मनों को ताकत दिखाने के बजाय हम आपस में लड़ रहे हैं : भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि देश की सीमाओं पर दुश्मनों को अपनी ताकत दिखाने के बजाय हम आपस में लड़ रहे हैं। संघ शिक्षा वर्ग के विदाई समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को देश की एकता और अखंडता को बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक संकट और बाद में कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने सभी देशों के बीच अच्छा प्रदर्शन किया।

भागवत ने कहा कि हमारे समाज में धर्म और पंथ से जुड़े कई विवाद हैं। हम सीमा पर बैठे दुश्मनों को अपनी ताकत नहीं दिखा रहे हैं, लेकिन हम आपस में लड़ रहे हैं। हम

भूल रहे हैं कि हम एक देश हैं। सभी को भारत की एकता और अखंडता के लिए प्रयास करना चाहिए। और अगर कोई कमी है तो हम सभी को उन पर काम करना चाहिए। भागवत ने कहा, कुछ धर्म भारत के बाहर के थे और हमारे उनके साथ युद्ध हुए थे। लेकिन बाहर वाले तो चले गए। अब तो सब भीतर हैं। फिर भी यहां प्रभाव में लोग हैं और वे हमारे लोग हैं...यह समझना होगा। अगर उनकी सोच में कोई कमी है तो सुधार हमारी जिम्मेदारी है।

भागवत ने कहा कि पूरी दुनिया में इस्लाम का आक्रमण हुआ, स्पेन से मंगोलिया तक छा गया। धीरे-धीरे वहां के लोग जागे, उन्होंने आक्रमणकारियों को परस्त किया। तो अपने कार्य क्षेत्र में इस्लाम सिकुड़ गया। सबने सब बदल दिया। अब विदेशी तो यहां से चले गए लेकिन इस्लाम की पूजा कहां सुरक्षित चलती है, यहीं सुरक्षित चलती है। कितने शतक हुए यह सह जीवन चल रहा है। इसको न पहचानते हुए आपस के भेदों को ही बरकरार रखने वाली नीति चलाना, ऐसा करेंगे तो कैसे होगा।कुछ लोग इस धारणा का समर्थन करते हैं कि अतीत में भारत में कोई जातिगत भेदभाव नहीं था, भागवत ने कहा, यह स्वीकार करना होगा कि हमारे देश में अन्याय हुआ है। संघ प्रमुख ने कहा, हम अपने पूर्वजों का गौरव लेकर चलते हैं, लेकिन हमें कर्ज भी चुकाना है।मोहन भागवत ने कहा कि जैसे गर्मी में वर्षा कि बौछारे सुखद लगती है वैसे ही स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद इस प्रकार कि सुखद भावनाओं का अनुभव हम जैसे कर रहे है, वैसे चिंतित करने वाला दृश्य भी हमें परिस्थिति मे मिल रहा है। इसी समय देश में कितने जगह कितने प्रकार के कलह मचे है, भाषा, पंथ, संप्रदायों, मिलने वाली सहुलियतों के लिये विवाद और केवल विवाद ही नहीं बल्कि इसका इस हद तक बढ़ना कि हम आपस में ही हिंसा करने लगे।

प्रमुख समाचार

12 जून को विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होगी कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि वह पटना में 12 जून को होने वाली विपक्षी पार्टियों की बैठक में हिस्सा लेगी, लेकिन अभी यह तय नहीं किया गया है कि बैठक में कौन शामिल होगा। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार ने बैठक

बुलाई है। पटना में 12 जून को होने वाली विपक्षी नेताओं की बैठक में कांग्रेस जरूर शामिल होगी। हालांकि, कौन भाग लेगा यह तय नहीं है। एआईसीसी महासचिव संचार जयराम रमेश ने यहां संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस पार्टी जल्द ही तय करेगी कि बैठक में कौन शामिल होगा। लेकिन, कांग्रेस निश्चित रूप से उस विपक्षी बैठक में भाग ले रही है, उन्होंने जोर देकर कहा। राहुल गांधी इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को अभी यह तय करना है कि वो पटना की बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे या नहीं।

उद्धव ठाकरे विदेश में हैं, इधर सीएम शिंदे से मिलने पहुंचे पवार

नईदिल्ली। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने वर्षा बंगले पहुंचे हैं। इस दौरे के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन इस दौरे को लेकर चर्चा छिड़ गई है। जैसे ही शरद पवार अचानक एकनाथ शिंदे से मिलने एकनाथ शिंदे पहुंचे, राजनीतिक हलकों में अटकलों का बाजार गर्म होने लगा। इस मुलाकात के पीछे किसी मुद्दे पर चर्चा है या फिर कोई और राजनीतिक वजह इस पर चर्चा चल रही है। खास बात यह है कि महाविकास अघाड़ी में शामिल उद्धव ठाकरे फिलहाल महाराष्ट्र में नहीं हैं। शरद पवार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने पहुंचे हैं जबकि उद्धव ठाकरे और उनका परिवार फिलहाल देश से बाहर है। इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि यह बैठक अभी तक नहीं हुए मंत्रिमंडल विस्तार और ईडी द्वारा एनसीपी नेताओं की चल रही जांच के मुद्दे पर भी हो सकती है। ठाकरे गुट के नेता उदय सामंत ने इस दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए सांकेतिक बयान दिया है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है।

पहलवानों को किसी पर तो भरोसा करना पड़ेगा: अनुराग

नईदिल्ली। मुंबई में पहलवानों के विरोध पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुलिस की जांच चल रही है। हम भी चाहते हैं कि न्याय मिले। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि निष्पक्ष जांच की जाएगी और उचित

कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा हम एफआईआर दर्ज करेंगे और ये भी दर्ज हो गया। जो-जो हमारे रेसलर्स ने कहा हमने उनकी बातें सुनी और उस पर कार्रवाई हुई। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब पुलिस जांच कर रही है तो इस प्रक्रिया को पूरे होने देना चाहिए की नहीं। कानून भी यही कहता है कि जांच हो और चार्जशीट फाइल हो। उसके बाद आगे की कार्यवाही हो। जो कानून कहता है उसके अनुसार हम कार्यवाही कर रहे हैं। आपको पुलिस, सुप्रीम कोर्ट, खेल विभाग, किसी पर तो भरोसा करना पड़ेगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जनवरी महीने में इन्होंने बात उठाई।

सिसोदिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश होंगे

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया कि दिल्ली में चल रहे आबकारी नीति घोटाला मामले में सुरक्षा कारणों से सुनवाई के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाना चाहिए। गुरुवार की सुनवाई के दौरान भी आप नेता को दिल्ली पुलिस के अनुरोध के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। हालांकि सिसोदिया और उनके वकील ने इसका विरोध किया। कोर्ट ने कहा कि जब तक सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस की अर्जी पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक सिसोदिया को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा। फिर सुनवाई की अगली तारीख 19 जुलाई तय की। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत भी इस तिथि तक बढ़ा दी गई है। सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने आरोप लगाया कि आप नेता के साथ उनकी पिछली पेशी के दौरान दुर्व्यवहार किया गया था।

भगवंत मान ने केंद्र की जेड प्लस सुरक्षा लेने से किया इनकार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की सुरक्षा टीम ने केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करके केंद्र द्वारा उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा कवर को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि आप नेता को राज्य पुलिस

पर भरोसा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री कार्यालय ने पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि इन दोनों जगहों पर पंजाब पुलिस की विशेष टीम उनकी सुरक्षा कर रही है। अगर पंजाब और दिल्ली में भी मुख्यमंत्री को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा सुरक्षा दी जाती है, तो इससे यह संदेश जाएगा कि उन्हें पंजाब पुलिस पर भरोसा नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री यह संदेश नहीं देना चाहते हैं कि उन्हें अपनी ही पुलिस पर भरोसा नहीं है। जेड प्लस सुरक्षा नहीं लेने का फैसला केंद्र द्वारा मान को व्यापक सुरक्षा मुहैया कराने की योजना की घोषणा के कुछ दिन बाद आया है। देश और विदेश में संभावित खतरों को देखते हुए मुख्यमंत्री को जेड प्लस सुरक्षा की पेशकश की गई थी।

भारत-नेपाल के संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों पर पहुँचाया

नईदिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड भले चीन समर्थक माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के समर्थन से अपनी सरकार चला रहे हों लेकिन भारत के साथ अपने देश के गहरे रिश्तों को वह हमेशा महत्व देते हैं। दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने और विवादों को सुलझाने के उनके प्रयास दर्शाते हैं कि वह इस दिशा में गंभीरता के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने पहले विदेश दौरे पर प्रचंड भारत पहुँचे तो यहां घर जैसा ही उनका स्वागत हुआ और खुद नेपाली प्रधानमंत्री भी भारत के रंग में रंगे नजर आये। यही नहीं, भारत ने नेपाली प्रधानमंत्री को इस यात्रा के दौरान जो बड़ी सौगातें दी हैं वह निश्चित ही इस पड़ोसी देश की जनता को व्यापक लाभ पहुँचायेंगी और संबंधों को भी मजबूती प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने नेपाली समकक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के साथ व्यापक वार्ता के बाद कहा है कि भारत और नेपाल अपने द्विपक्षीय संबंधों को हिमालयी ऊंचाइयों पर ले जाने और सीमा मुद्दे सहित सभी मामलों को इसी भावना के साथ हल करने का प्रयास करेंगे। बैठक के बाद मीडिया को दिए बयान में मोदी ने कहा कि उन्होंने और प्रचंड ने भविष्य में दोनों देशों के बीच साझेदारी को 'सुपर हिट' बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। प्रचंड की मौजूदगी में मोदी ने

कहा, ''हम अपने संबंधों को हिमालय की ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास जारी रखेंगे। और इसी भावना के साथ हम सभी मुद्दों का समाधान करेंगे, चाहे वह सीमा से जुड़ा हो या कोई अन्य मुद्दा।

वहीं, प्रचंड ने अपनी टिप्पणियों में कहा कि उन्होंने और मोदी ने संबंधों में प्रगति की 'व्यापक समीक्षा' की और संबंधों एवं सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नेपाली प्रधानमंत्री ने कहा कि वह मोदी की 'पड़ोस पहले की नीति' की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, ''नेपाल और भारत के बीच संबंध सदियों पुराने और बहुआयामी हैं। यह संबंध एक तरफ सभ्यतागत, सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक संबंधों की समृद्ध परंपरा से निर्मित ठोस नींव पर खड़ा है तो दूसरी तरफ संप्रभु समानता, आपसी सम्मान, समझ और सहयोग के समय की कसौटी पर खरे उतरे सिद्धांत के प्रति दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता पर।'' उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, ट्रांजिट, निवेश, पनबिजली, बिजली व्यापार, सिंचाई, बिजली पारेषण लाइन, पेट्रोलियम पाइपलाइन के विस्तार, एकीकृत जांच चौकी और भूमि और हवाई संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत के आर्थिक और विकास परिदृश्य के उल्लेखनीय बदलाव को देखकर खुश हैं। मैं कई मोर्चों पर दूरगामी उपलब्धियों के साथ सरकार में नौ साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देता हूं।''वार्ता के बाद मोदी और प्रचंड ने संयुक्त रूप से कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कई योजनाओं का उद्घाटन और कुछ का शिलान्यास भी किया। दोनों पक्षों ने सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन के विस्तार, एकीकृत जांच चौकियों के विकास और पनबिजली में सहयोग बढ़ाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए सात समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने भारत के रुपईडीहा और नेपाल के नेपालगंज में एकीकृत जांच चौकियों का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया।

उन्होंने बिहार के बथनाहा से नेपाल कस्टम यार्ड के लिए एक मालवाहक रेलगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई। हस्ताक्षरित प्रमुख समझौतों में से एक ट्रांजिट की संशोधित भारत-नेपाल संधि थी। इसमें नेपाल के लोगों के लिए नए रेल रेल मार्गों के साथ ही भारत की अंतरदेशीय जलमार्ग सुविधा का भी प्रावधान किया गया है। देखा जाये तो नेपाल, क्षेत्र में अपने समग्र रणनीतिक हितों के संदर्भ में भारत के लिए महत्वपूर्ण है और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने 'रोटी-बेटी' संबंधों पर ध्यान दिया है। यह दोनों देशों के लोगों के बीच ब्याह शादी के रिश्तों को संदर्भित करता है। नेपाल पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक सीमा साझा करता है। चारों ओर से जमीन से घिरा नेपाल वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर करता है। समुद्र तक नेपाल की पहुंच भारत के माध्यम से है और वह भारत से तथा उससे होते हुए अपनी आवश्यकताओं का एक प्रमुख अनुपात आयात करता है।

रेत खदानों में भाजपा ने मारा छापा, सूचना के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे अधिकारी

■ 4 जून को एनएच-53 पर चक्काजाम करने की दी चेतावनी

आरंग। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही भाजपा आक्रामक रुख में नजर आ रही है. आरंग के ग्राम गुल्लू में कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरंग क्षेत्र के कुरूद, चिखली और बेनीडीह रेत खदान में छापा मारा. इस दौरान चिखली और कुरूद में रेत के अवैध खनन और परिवहन में लगे वाहनों के चालक मौके से भाग खड़े हुए. वहीं बेनीडीह में महासमुंद जिले के बड़गांव रेत खदान से बेनीडीह के रास्ते से वाहनों की आवाजाही हो रही थी. इन रेत खदानों के आसपास हजारों ट्रक रेत का अवैध भंडारण भी किया गया है।

बता दें कि भाजपा द्वारा मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने और रायपुर जिला ग्रामीण के नए जिलाध्यक्ष टंकराम वर्मा का स्वागत करने गुल्लू में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था. सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने के बाद विधानसभा प्रभारी अनिल पांडेय, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री वेदराम मनहरे, जिला महामंत्री श्याम नारंग के नेतृत्व में कुरूद, चिखली और बेनीडीह में एक साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने छापा मारा.भाजपा कार्यकर्ताओं को देख कर अवैध खनन और परिवहन में लगे वाहनों के चालक वाहनों को छोड़कर भाग खड़े हुए।

भाजपा नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यवाई करने के लिए जानकारी दी , लेकिन अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे. जिसे लेकर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जाहिर की. देर रात भाजपा नेता कार्यकर्ता सहित आरंग थाना पहुंचे. थाने में शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन को अल्टीमेटम दिया गया है कि अगर बुधवार दोपहर तक अवैध खनन और परिवहन में लगे वाहनों पर कार्यवाई नहीं हुई तो भाजपा 4 जून को नेशनल हाईवे 53 में चक्काजाम करेगी. बता दें कि 4 जून को आरंग में कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन समारोह होना है, जिसमें कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, पूर्व प्रभारी पीएल पुनिया, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित पूरा मंत्रिमंडल और विधायक शामिल होंगे।

युवा कांग्रेस ने मोर गौठान मोर अभिमान कार्यक्रम के तहत गौठान का निरीक्षण किया

दल्लीराजहरा। युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के आव्हान पर एवं बालोद जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत बोकड़े के निर्देशानुसार एवं युवा कांग्रेस डौंडी-लोहारा विधानसभा अध्यक्ष भरत देवांगन के नेतृत्व में युवा कांग्रेस द्वारा आज ग्राम साल्हे के गौठान का निरक्षण किया जिसमें गौठान समिति के अध्यक्ष,सदस्य,स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्राम पंचायत सरपंच ने बताया कि हमारे गौठान में सही रूप से गोबर खाद बनाने का कार्य चल रहा है एवं हमारे समूह की महिलाओं के जीवन में एक नई उमंग एवं ऊर्जा का प्रसार हुआ जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई और किसी भी विपक्ष के पोल खोल अभियान की कड़ी निन्दा की गई।युवा कांग्रेस की टीम पहुंचकर गौठान में संचालित महिला स्व सहायता समूह कि माताओं से मिलकर योजनाओं के बारे में चर्चा किया जहां समूह की महिलाओं ने बताया कि जब से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कि सरकार बनी है तब से महिलाएं आत्मनिर्भर बनी है। भाजपा के नकली अभियान चलबो गौठान खोलबो पोल के विरुद्ध युवा कांग्रेस का असली अभियान मोर गौठान मोर अभिमान लगातार तेज गति से बड़ रहा है हर जिले के हर विधानसभा के लगभग हर ग्राम में यह अभियान चालू हो चुका है जहा आज डौंडी ब्लॉक के ग्राम साल्हे में मोर गौठान - मोर अभिमान संपन्न हुआ। भाजपा के पाखंड को लोगो के बीच मे धराशायी करने के लिए आज़ युवा कांग्रेस ने इस अभियान मे गौठान के सदस्यों के बीच जाकर और उनके द्वारा किए जा रहा कार्यों को समझा,गौठान से होने वाले आय पर महिलाओ की आय मे कितनी वृद्धि हुई उस पर जानकारी प्राप्त की। युवा नेता आयान अहमद ने कहा की गौठानों से मिल रहा लोगों को रोजगार एवं गौठान में स्व सहायता समूह की महिलाएं कर रही मछली पालन,हल्दी लगाने का कार्य।

कमिश्नर धावड़े ने किया निर्माणाधीन मक्का प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण

■ निर्माणाधीन मक्का प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण, समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

जगदलपुर। कमिश्नर श्री श्याम धावड़े ने गुरुवार को कोंड़ागाँव के ग्राम कोकोड़ी में निर्माणाधीन मां दन्तेश्वरी मक्का प्रसंस्करण सहकारी समिति द्वारा संचालित इथेनॉल संयत्र निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सभी तकनीकी मापदण्डों का परिपालन करने सहित गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए प्लांट निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का भी अवलोकन किया और कार्य की प्रगति पर संतुष्टि जाहिर की।

कमिश्नर श्री धावड़े ने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा इथेनॉल प्लांट कोंडागाँव जिले में स्थापित हो रहा है। जिसमें पूरे बस्तर संभाग के मक्के का उपयोग होगा। जिससे लगभग 60 से 70 हजार किसानों को सीधे फायदा मिलेगा। साथ ही इस इथेनॉल प्लांट में इलाके के कई लोगों को रोजगार मिलेगा। इस प्लांट निर्माण के लिए संभाग के किसानों और ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। इसे ध्यान में रखते हुए इथेनॉल प्लांट को अगस्त 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे कार्यों की गति को बढ़ाने के निर्देश देते हुए जिला प्रशासन के अधिकारी हर दस दिनों प्लांट का नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि इथेनॉल प्लांट निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति सहित पर्यावरणीय, सतही एवं भूगर्भीय जल प्रयोग की अनुमति मिल गयी है। प्लांट में उपयोग के लिए पानी की आवश्यकता के अनुसार बोर खनन और बल्लारी नाला से स्टापडेम बनाकर पानी की पूर्ति की कार्ययोजना की जानकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रेमप्रकाश शर्मा ने दिया।

उन्होंने बताया कि प्लांट में होने वाला पानी बाहर नहीं जाएगा और पूरे पानी का उपयोग सयंत्र में किया जायेगा। कमिश्नर ने प्लांट के समीप मक्का लाने वाले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था के लिए जमीन का चिन्हांकन के निर्देश दिए। प्लांट की प्रगति के लिए कलेक्टर श्री दीपक सोनी द्वारा प्रत्येक समय-सीमा की बैठक में समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर श्री सोनी ने निर्माण कार्यों को प्रगति देने के लिए सीईओ जिला पंचायत को नोडल अधिकारी बनाया है। इस मौके पर एसडीएम श्री चित्रकांत ठाकुर,डिप्टी कमिश्नर माधुरी सोम, वरिष्ठ निज सहायक श्री हरेंद्र जोशी, इथेनॉल प्लांट के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केएल उईके सहित प्लांट निर्माण से जुड़े ईपीसी मौज इंजीनियरिंग, प्लांट मैनेजिंग कन्सलटेंसी, च्वाइस कन्सलटेंसी के प्रतिनिधी मौजूद थे।

ज्ञात हो कि इथेनॉल प्लांट निर्माण हेतु शासन द्वारा 140.67 करोड़ रूपये से निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसके साथ ही केन्द्रीय मंत्रालयों द्वारा पर्यावरण, सतही एवं भूगर्भीय जल प्रयोग हेतु अनुमति प्रदान कर दी गई है। इसके साथ ही सभी निर्माता एजेंसियों द्वारा स्टॉफ भर्ती का कार्य भी पूर्ण करते हुए सभी आवश्यक शासकीय अनुमतियां प्राप्त कर ली गई है।

21 लाख लीटर पानी बहाने का मामला

एसडीओ के निलंबन के बाद फूड इंस्पेक्टर समेत तीन पर एफआईआर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में मोबाइल के लिए 21 लाख लीटर पानी बर्बादी के मामले में कार्रवाई का सिलसिला जारी है। एसडीओ के निलंबन के बाद फूड इंस्पेक्टर राजेश बिश्वास, जल संसाधन विभाग के एसडीओ रामलाल धीवर और सब इंजीनियर छोटेलाल ध्रुव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नायब तहसीलदार सुनील कुमार ध्रुव की रिपोर्ट पर पखांजूर थाने में धारा 430, 34 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

इससे पहले जल संसाधन विभाग के एसडीओ आरएल धीवर को भी निलंबित कर दिया गया था। आरोप है कि उन्होंने ही फूड इंस्पेक्टर का मोबाइल निकालने के लिए जलाशय खाली कराने का मौखिक आदेश दिया था। प्रशासन की ओर से दिए गए शो कॉज नोटिस के जवाब में एसडीओ ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया था। कहा था कि, न उन्होंने पानी निकालने की अनुमति दी और न ही उन्हें जलाशय खाली करने की जानकारी थी। संतोषप्रद जवाब नहीं होने के कारण कलेक्टर ने कार्रवाई के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा था।

चार दिन में भी समय रहते नहीं की कार्रवाई

निलंबन आदेश में कहा गया है कि, जल संसाधन संभाग, कांकेर अन्तर्गत परलकोट जलाशय के वेस्ट वियर से स्केल वाय के बीच 4104 क्यूबिक मीटर पानी दिनांक 21.05.2023 से लगातार चार दिनों तक डीजल पंप से अनाधिकृत रूप से बहा दिया गया। इस संबंध में जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी आरएल धीवरने समय रहते किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की। उनके जलाशयों के नियमित पर्यवेक्षण का अभाव और पद दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही दर्शाता है। इस पर उन्हें निलंबित कर मुख्यालय अधीक्षण अभियंता, इन्द्रावती परियोजना मण्डल जगदलपुर में संबद्ध करता है।

सेल्फी लेने के दौरान जलाशय में गिरा था मोबाइल

दरअसल, कोयलीबेड़ा ब्लॉक के खाद्य निरीक्षक राजेश विश्वास अपने दोस्तों के साथ पंखाजूर के परलकोट जलाशय के पास पार्टी मनाने के लिए गए थे। सेल्फी लेने के दौरान उनका महंगा फोन पानी में गिर गया था।

फूड इंस्पेक्टर का कहना था कि जलाशय खाली कराने की उन्होंने एसडीओ से फोन पर अनुमति ली। पहले गोताखोरों की मदद ली गई। जब बात नहीं बनी तो 30 एचपी का पंप लगाकर जलाशय से चार दिन में 21 लाख लीटर पानी बहा दिया। आखिरकार इसके बाद गुरुवार को उनका मोबइल मिल सका। इसके बाद फूड इंस्पेक्टर को भी निलंबित कर दिया गया था।

भाजपा ने हाऊरनार मामले में अपराधियों के जल्द गिरफ्तारी नही होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

दंतेवाड़ा। गीदम ब्लॉक के ग्राम पंचायत हाऊरनार में एक ग्रामीण महिला का शव संदिग्ध हालात में मिलने एवं परिजनों द्वारा महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाने के बाद जिला भाजपा पदाधिकारियों ने मृतक महिला के परिजनों एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर पुलिस-प्रशासन से अपराधियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग करते हुए, महिला मोर्चा के नेतृत्व में उग्र आंदोलन की चेतावनी दिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष चैतराम अटामी ने कहा कि भूपेश सरकार के सत्ता में आने केबाद से प्रदेश में हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों के मामलो में वृद्धि हुई है। अब बस्तर जैसे शांति और सौहार्द वाले अंचल में भी ऐसे अपराध लगातार सामने आ रहे हैं। उन्होने कहा कि शराबबंदी का वायदा कर प्रदेश की जनता को ऑनलाइन शराब परोसने वाली भूपेश सरकार शराब बेचकर कालाबाजारी से पैसे कमाने में इतनी व्यस्त है कि नशे का दुष्परिणाम भी नहीं दिख रहा है।

भाजपा प्रदेश मंत्री ओजस्वी मांडवी ने कहा कि अपराधियों को गिरफ्तार कर जल्द से जल्द पुलिस प्रसाशन पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए। ऐसे आपराधिक प्रवृति के लोगो से लडने् और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए भाजपा और महिला मोर्चा पीड़ित परिवार के साथ है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चैतराम अटामी, प्रदेश मंत्री ओजस्वी मंडावी, मण्डल अध्यक्ष गीदम राजेश कश्यप, अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री नंदलाल मुड़ामी, मुकेश शर्मा, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुन्ना मरकाम, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता गुप्ता, दीपक बाजपेयी एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

संस्कृत भाषा जीवन का संस्कार है : रंजना साहू

धमतरी। संस्कृत भारती छत्तीसगढ़म् शिबिरचालक प्रशिक्षण वर्ग में विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुई, जहां पर विधायक ने प्रशिक्षितों को सम्बोधित किए, यह प्रशिक्षण देहली पब्लिक स्कूल सांकरा में हुआ। विधायक रंजना साहू ने कहा कि संस्कृत भारती वह संस्था है जो हमारी सनातन परंपरा को पुन: जीवित करने संस्कृत भाषा को दैनिक दिनचर्या मे लाने का प्रयास करती है, निश्चित ही संस्कृत हमारी जीवन का संस्कार है, जो हमारे वैदिक धर्म में वर्णित है, हमारी सनातन परंपरा का मूल भाषा संस्कृत है, हिंदू धर्म में सभी कर्मकांड संस्कृत भाषा में होते हैं, इसलिए हमारी सनातन धर्म को जीवित रखने संस्कृत का प्रचार प्रसार अति आवश्यक है, संस्कृत भारती संस्था का शिविर के माध्यम से प्रयास किया जाना सराहनीय है, जिसे हमें स्वीकार करना है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि यह मेरे लिए अद्वितीय क्षण है, जो मुझे यहां आने का सौभाग्य मिला, इस संस्था के द्वारा शिविर में हमारे देश के महान विचारकों की छाया चित्र के साथ प्रदर्शनी लगाया जाना प्रशंसनीय है।

वार्ड क्रमांक 20 में सड़क डामरीकरण कार्य का शुभारंभ

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 20 एवं 21 के अंतर्गत आजाद चौक से लेकर सरस्वती शिशु मंदिर तक की आंतरिक सड़क का डामरीकरण का कार्य कराये जाने हेतु महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने डामरीकरण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर कार्य शुभारंभ कराया। इस मौके पर महापौर प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल के लगातार प्रयासों से कोरबा शहर तथा निगम के उपनगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ कोरबा जिले की मुख्य सड़कों का पूर्व में कायाकल्प करने के उपरांत अब शहर के अंदर स्थित बस्तियों के आंतरिक सड़कों का डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत कोरबा शहर के सभी प्रमुख मार्गो व आवासीय तथा व्यवसायिक क्षेत्रों की सडकों की डामरीकरण, सड़कों का नवीनीकरण व जीर्णोद्धार के कार्य व्यापक पैमाने पर किए गए हैं, जो निरंतर जारी हैं। कोरबा नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़क संबंधी समस्याओं का सम्पूर्ण निदान किया जा रहा है।

कोरबा विधानसभा के सभी मंडलों की बैठक हुई

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आयोजित मंडल प्रवास योजना के अंतर्गत कोरबा विधानसभा के कोरबा, कोसाबाड़ी, बालको एवं दर्री मंडलों की बैठक जिला प्रभारी श्याम बिहारी जयसवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कोरबा मंडल की बैठक दीनदयाल कुंज ट्रांसपोर्ट नगर कोसाबाड़ी मंडल की बैठक सांस्कृतिक भवन राजेंद्र प्रसाद नगर दर्री मंडल की बैठक मंगल भवन दर्री एवं बालकों मंडल की बैठक उत्सव वाटिका बालको में आयोजित हुई। कोरबा विधानसभा के मंडल प्रवास योजना अंतर्गत आयोजित इस बैठक में जिला प्रभारी श्याम बिहारी जायसवाल के साथ मुख्य रुप से जिला सह प्रभारी गोपाल साहू, जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन, जिला महामंत्री संतोष देवांगन, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी, विधानसभा संयोजक आलोक सिंह, उमा भारती सराफ, नवदीप नंदा, अजय चंद्रा, कोरबा मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

प्रशासन की सख्ती बाद भी जल रही पराली

बालोद। जिले के बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अरूप में एक महिला परली में लगी आग की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, महिला घर से दोपहर 12 बजे से निकली हुई थी। देर रात तक वह घर नहीं पहुंची और रात भर वह घर से बाहर रही। जब सुबह परिजनों और आसपास के लोगों ने खेतों में जाकर देखा तो महिला की जली हुई लाश खेत में पड़ी हुई थी। परली भी पूरी तरह जल गई थी। इसके बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला का नाम बुधनतीन बाई बताया जा रहा है। पूरे मामले में अंदाजा लगाया जा रहा है कि महिला की मृत्यु दम घुटने से हुई है। जिसके बाद से पुलिस भी एक्टिव हो गई है और मौके पर जाकर जांच भी की है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए बालोद जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। शासन एवं प्रशासन लगातार लोगों को पराली जलाने के लिए मना कर रही है। किसी विभाग द्वारा कार्रवाई भी की जाती है।

पेयजल संकट को दूर करने सम्हाला मोर्चा

रिसाली। पेयजल संकट को दूर करने के बाद नगर पालिक निगम के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। दरअसल मंगलवार रात अचानक पॉश कालोनी तालपुरी ए ब्लाक के गुलमोहर अपार्टमेंट में पेयजल आपूर्ति ठप हो गया था। मोटर के अभाव में कर्मचारी के पास दूसरा विकल्प नहीं था। आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देश बाद नया मोटर स्टाल कर व्यवस्था दुरूस्त किया गया। जलकार्य विभाग के सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि गुलमोहर अपार्टमेंट में रहने वाले 192 परिवार के सद्स्य पेयजल समस्या से लगातार जूझ रहे थे। मंगलवार की रात मोटर पूर्ण रूप से बंद हो गया। इसके बाद नया मोटर स्टाल करने के अलावा इसका कोई विकल्प नहीं था। मोटर के अभाव में आयुक्त के निर्देश में 30 किलोमीटर सफर तय करना भी पड़ा। नया मोटर स्टाल करने के बाद ही पेयजल व्यवस्था बहाल हुई। पेयजल आपूर्ति ठप होने की सूचना मिलते ही जलकार्य विभाग के प्रभारी चन्द्रभान सिंह ठाकुर और चन्द्रप्रकाश सिंह निगम तत्काल तालपुरी पहुंचे।

नगर पंचायत खरोरा में उप चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

■ 27 जून को डाले जाएंगे वोट, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद का होगा चुनाव

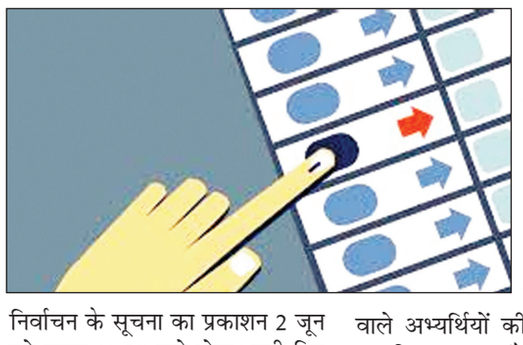

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा रायपुर जिले की खरोरा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में रिक्त पार्षद पद के लिए उप चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। उप चुनाव से पार्षद निर्वाचन के लिए आवश्यक हुआ तो 27 जून को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम के घोषणा के साथ ही नगर पंचायत खरोरा के वार्ड क्रमांक 13 में निर्वाचन कार्यवाहियां संपन्न होने तक आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार निर्वाचन के सूचना का प्रकाशन 2 जून को सुबह 10.30 बजे होगा। इसी दिन सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन और मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन भी किया जायेगा। 2 जून सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। नाम निर्देशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 9 जून समय दोपहर 3 बजे तक होगी। 10 जून को सुबह 10.30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की जांच की जाएगी। अभ्यर्थी 12 जून को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। निर्वाचन लडने् वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर प्रकाशित करना और निर्वाचन चिन्हों का आवंटन 12 जून को ही किया जाएगा। आवश्यक हुआ तो वार्ड पार्षद चुनाव के लिए 27 जून को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतों की गणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 30 जून को प्रात- 9 बजे की जाएगी।

निर्वाचन लडने् के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने नाम निर्देशन पत्र के साथ निर्धारित शपथ प्रपत्र में आपराधिक पृष्ठ भूमि, संपत्ति एवं दायित्वों तथा शैक्षणिक योग्यता की जानकारी भी देनी होगी। नगर पंचायत में निर्वाचन दलीय आधार पर होगा और मतदान मतपेटी के माध्यम से कराया जाएगा। मतपत्र में अभ्यर्थियों के साथ नोटा का भी प्रावधान होगा। यदि मतदाता किसी अभ्यर्थी के पक्ष में मतदान अभिलिखित नहीं करना चाहता तो वह मतपत्र में उपयुक्त में से कोई नहीं पर अपना मत अभिलेखित कर सकेगा। मतदान के समय मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आयोग द्वारा 18 प्रकार के पहचान पत्र निर्धारित किए गए है। जिनमें से किसी भी एक पहचान पत्र को मतदान के समय पीठासीन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

तीन भालुओं ने किया दंपती पर हमला

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में गुरुवार सुबह जंगल में आम तोड़ने और लकड़ी बीनने के लिए गए बुजुर्ग दंपती पर भालुओं ने हमला कर दिया। एक साथ तीन भालुओं के इस हमले में वृद्धा की मौके पर मौत हो गई। भालू उसके चेहरे और सिर सहित अन्य हिस्से से मांस नोचकर ले गए। जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको कुसमी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोपातू में हुई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम गोपातू निवासी मंगरा नगेशिया (86) गुरूवार सुबह करीब 9.30 बजे अपनी पत्नी गेंदिया नगेशिया (82) के साथ पास के जंगल में आम तोड़ने और सूखी लकड़ी बीनने के लिए गया था। दोनों वहां काम में लगे हुए थे। इसी दौरान झाड़ियों से निकले तीन भालुओं ने दोनों पर हमला बोल दिया। गेंदिया नगेशिया पर दो भालुओं ने एक साथ हमला किया और उसके सिर, चेहरे एवं अन्य हिस्सों में काट लिया। वहीं एक भालू ने मंगरा नगेशिया पर हमला कर उसके जांघ और कुल्हे में काट लिया।

मंगरा नगेशिया और गेंदया ने भालुओं के हमला करने पर शोर मचाया। कुछ दूर पर अन्य ग्रामीण मौजूद थे, जो आम और लकड़ी के लिए गए थे। वहां से गांव के कुछ घर भी पास हैं। शोर सुनकर लोग हल्ला करते हुए मौके पर पहुंचे। अन्य लोगों को पास आता देख भालू जंगल में घुस गए। लोग जब तक उनके पास पहुंचे भालुओं के हमले में गंभीर रूप से घायल हुई गेंदिया की मौत हो चुकी थी। मंगरा नगेशिया घायल अवस्था में मिला, जिसे उठाकर ग्रामीण गांव तक पहुंचे। वहां से उसे स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया।

भालुओं के हमले में वृद्धा की मौत और पति के घायल होने की सूचना पर वनविभाग का अमला मौके पर पहुंचा। कुसमी रेंजर पाली राम ने बताया कि महिला के शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भारत के पड़ोसी पहले की नीति में नेपाल का विशेष स्थानः विदेश सचिव

नईदिल्ली। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को कहा कि नेपाल भारत की पड़ोसी पहले नीति में एक बहुत ही विशेष स्थान रखता है। नेपाल के साथ भारत का संबंध अद्वितीय है और खुली

सीमाएं तथा सभ्यतागत संबंध इसकी विशेषता हैं।विदेश सचिव ने पीएम मोदी और भारत के दौरे पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच मुलाकात के संबंध में पत्रकारों को जानकारी देते हुए यह बात कही।विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा, नेपाल के साथ हमारा संबंध अद्वितीय है। खुली सीमाएं और सभ्यतागत संबंध इसकी विशेषता हैं जो हमारी साझा सांस्कृतिक तथा धार्मिक परंपराओं में निहित हैं। ये दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों और यहां तक कि रिश्तेदारी में परिलक्षित होते हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत दोनों देशों के बीच पारंपरिक गर्मजोशी और सौहार्द्र की विशेषता है।

विपक्षी एकता को लेकर प्रशांत ने नीतीश पर साधा निशाना

पटना। चुनावी रणनीतिकार से बिहार में सियासी कदम बढ़ाने जा रहे प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा बुलाई जा रही विपक्षी एकता की बैठक पर निशाना साधा। गुरुवार को पीके ने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार की चिंता करनी चाहिए। नीतीश कुमार का खुद का ठिकाना नहीं है, आज राजद के बिहार में जीरो एमपी हैं, वो पार्टी देश में प्रधानमंत्री तय कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का खुद का ठिकाना नहीं है वो देश की दूसरी पार्टियों को इकट्ठा कर रही है। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार से ये पूछना चाहिए कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ काम करने को तैयार है? क्या नीतीश कुमार और लालू टीएमसी को बिहार में एक भी सीट देने को तैयार हैं? आज क्या नीतीश कुमार हमसे ज्यादा ममता बनर्जी को जानते हैं? पश्चिम बंगाल में नीतीश कुमार को पूछता कौन है? नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू उस समय बहुमत की सरकार चल रहे थे। जबकि नीतीश कुमार तो 42 विधायक के साथ आज लंगड़ी सरकार चला रहे हैं।

टीडीपी का घोषणा पत्र बीजेपी और कांग्रेस के चुनावी वादों की मिलावट : जगन मोहन

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने ञ्जष्ठक्क्रप्रमुख चंद्रबाबू नायडू का जमकर मजाक उड़ाया। रेड्डी ने 2024 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तेलुगु देशम पार्टी को 'बिसी बेले भात' करार दिया। जगन मोहन रेड्डी ने कहा, टीडीपी का घोषणापत्र कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस द्वारा किए गए चुनावी वादों की मिलावट है और इसमें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की योजनाएं भी शामिल की गई हैं। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने एन चंद्रबाबू नायडू का मजाक उड़ाते हुए उन पर कथित तौर पर राज्य की वाई एस राजशेखर रेड्डी नीत पूर्ववर्ती सरकार सहित अन्य पार्टियों की योजनाओं की नकल कर घोषणापत्र का 'बिसी बेले भात' और 'पुलिहोरा' पकाने का आरोप लगाया। 'बिसी बेले भात' और 'पुलिहोरा' लोकप्रिय कन्नड़ पकवान हैं। कुर्नूल जिले के पट्टीकोंडा में एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना की शुरुआत करने के बाद रेड्डी ने कहा, चंद्रबाबू का घोषणापत्र आंध्र प्रदेश में नहीं तैयार किया गया।

डीएमके विपक्ष को एकजुट करने सभी कदम उठाएगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के

स्टालिन ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम सभी कदम उठएगी। स्टालिन ने बुधवार रात जापान से यहां पहुंचने पर संवाददाताओं से बातचीत में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की अगुवाई वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह 'विपक्षी दलों को डराने' के लिए आयकर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने पिछले हफ्ते अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी वी सेंथिल बालाजी के रिश्तेदारों और उनसे संबद्ध लोगों के परिसरों पर आयकर के छापे के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बृहस्पतिवार को यहां मुलाकात तथा यह पूछे जाने पर कि क्या यह 'विपक्ष को एकजुट करने' का हिस्सा थी उन्होंने कहा, 'वह प्रयास पहले से ही जारी है।'

भगवंत ने केंद्र की जेड प्लस सुरक्षा लेने से किया इनकार

नईदिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान

की सुरक्षा टीम ने केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करके केंद्र द्वारा उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा कवर को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया है कि आप नेता को राज्य पुलिस पर भरोसा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री कार्यालय ने पंजाब और दिल्ली की सुरक्षा लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि इन दोनों जगहों पर पंजाब पुलिस की विशेष टीम उनकी सुरक्षा कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि अगर पंजाब और दिल्ली में भी मुख्यमंत्री को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा सुरक्षा दी जाती है, तो इससे यह संदेश जाएगा कि उन्हें पंजाब पुलिस पर भरोसा नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री यह संदेश नहीं देना चाहते हैं कि उन्हें अपनी ही पुलिस पर भरोसा नहीं है। जेड प्लस सुरक्षा नहीं लेने का फैसला केंद्र द्वारा मान को व्यापक सुरक्षा मुहैया कराने की योजना की घोषणा के कुछ दिन बाद आया है।

उपराज्यपाल ने दी वकीलों की नियुक्ति को मंजूरी; आप ने कहा- सुको जाएंगे

केजरीवाल और एलजी के बीच फिर से रार

नईदिल्ली। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल के बीच तकरार खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। एलजी वीके सक्सेना ने वरिष्ठ सरकारी वकीलों के नियुक्ति को मंजूरी दे दी। एलजी के इस फैसले को दिल्ली सरकार ने अवैध आदेश बताया है।केजरीवाल और स्न के बीच फिर से रार, उपराज्यपाल ने दी वकीलों की नियुक्ति को मंजूरी; आप ने कहा– सुप्रीण कोर्ट जाएंगे।

नई दिल्ली, राज्य ब्यूरो। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पॉक्सो के 20 मामलों की सुनवाई के लिए सीबीआई के वरिष्ठ सरकारी वकीलों को नियुक्त करने की अधिसूचना जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बृहस्पतिवार को राजनिवास के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उधर आप सरकार ने आरोप लगाया कि एलजी ने

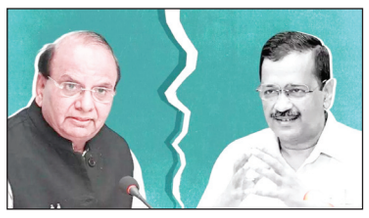

निर्वाचित सरकार से बिना सलाह किए यह अवैध आदेश दिया है। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी।

सरकार और एलजी के बीच आरोप-प्रत्यारोप

आप सरकार का कहना है कि एलजी ने न तो मंत्री और न ही मुख्यमंत्री को भरोसे में लिया। राजनिवास के एक अधिकारी ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार पिछले नौ महीनों से शहर की विभिन्न अदालतों में पॉक्सो के 20 मामलों के त्वरित निपटान के लिए सीबीआई के वरिष्ठ सरकारी वकीलों को नियुक्त करने के लिए ट्रायल कोर्ट के आदेश को दबाए बैठी है।राजनिवास के अनुसार, केजरीवाल सरकार की ओर से इस संदर्भ में निष्क्रियता और अस्पष्ट देरी से विवश होकर एलजी सक्सेना ने सीआरपीसी की धारा 24 (8) के तहत केंद्र सरकार की शक्ति को लागू करने और अधिसूचना जारी करने के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए गृह मंत्रालय में वरिष्ठ वकीलों की नियुक्ति संबंधी गृह विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।सीबीआई के वरिष्ठ लोक अभियोजकों की नियुक्ति के लिए यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम अधिनियम की धारा 32 के तहत दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचना की मांग करने वाली फ़ाइल को गृह विभाग द्वारा ट्रायल कोर्ट के एक निर्देश और बाद के पत्रों के बाद स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी अगस्त और दिसंबर 2022 में इसे सुनिश्चित करेगी। ट्रायल कोर्ट द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किया गया था कि अधिनियम की धारा 35 के तहत परिकल्पित एक वर्ष की निर्धारित समयावधि के भीतर विभिन्न पाक्सो अदालतों में मुकदमे पूरे हों।

महीनों से पड़ी थी फाइल

राजनिवास के अधिकारी ने दावा किया कि वकीलों की नियुक्ति का प्रस्ताव इस साल जनवरी में गृह विभाग द्वारा लाया गया था और आठ मई, 2023 से मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास लंबित है। फाइल सबसे पहले 11 जनवरी 2023 को दिल्ली के गृह मंत्री उसके बाद 16 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री के पास पहुंची।

क्या उनके राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन ने पैसा दिया है : अनुराग

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका दौरे को लेकर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से

हमलावर है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता भारत को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इतना ही नहीं, ठाकुर ने राहुल से सवाल करते हुए पूछा कि क्या उनके राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन ने पैसा दिया है? दरअसल, राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं और वह भाजपा और मोदी सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी बाहर जाकर कहते हैं कि 80 के दशक में केंद्र और उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति पर बड़े अत्याचार हो रहे थे। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि राहुल गांधी शायद भूल गए कि 1984 में स्वर्गीय राजीव गांधी ही देश के प्रधानमंत्री थे और उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार थी तो क्या राजीव गांधी के समय में दलितों पर अत्याचार हो रहे थे? अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले पर ज़मानत पर राहुल गांधी जिनकी संसद की सदस्यता भी चली गई। उन्होंने कहा कि अब नए संसद भवन का बहिष्कार करते हैं और विदेश में जाकर भारत राष्ट्र को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते...क्या उनके राजीव गांधी फाउंडेशन में चीन ने पैसा दिया है? उन्होंने कहा कि अभी भी वे अमेरिका गए हैं इसकी फंडिंग पर भी कई लोग सवाल खड़ा कर रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में भारत की जीडीपी 7.2 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है...मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में जो कहा गया है उससे स्पष्ट है कि इस साल भी भारत की विकास दर विश्व में सबसे ज्यादा होगी। आपको बता दें कि दुनियाभर की जानी मानी बोक्ररेज रिफॉर्म मॉर्गन स्टेनली ने मोदी सरकार के 9 साल के काम को फुल नंबर दिए हैं।

बदले की भावना से अयोग्य की गई राहुल गांधी की सदस्यता : अधीर रंजन

नईदिल्ली। लोकसभा से राहुल गांधी के अयोग्य घोषित होने के

बाद से इसको लेकर राजनीति जारी है। कांग्रेस इसके लिए सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधती है। तो वहीं भाजपा पर कांग्रेस पर पलटवार करती है। कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ने बड़ा दावा किया है। अधीर रंजन चौधरी ने साफ तौर पर कहा है कि राहुल गांधी की सदस्यता बदले की भावना से अयोग्य की गई। वहीं, भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी सदस्यता न्यायालय के आधार पर गई हैं। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सबको पता है कि राहुल गांधी की सदस्यता बदले की भावना से अयोग्य की गई। राहुल गांधी सच कहने से नहीं डरते इसलिए यह कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश में ऐसा कोई भी अपशब्द नहीं कहा। आप उनकी (राहुल गांधी) सदस्यता ख़त्म कर सकते हैं लेकिन आप राहुल गांधी को ख़त्म नहीं कर सकते।

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए बनेगा न्यायिक आयोग

अमित शाह का ऐलान- सीबीआई की टीम भी करेगी जांच

इंफाल । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मणिपुर दौरे पर हैं। इस दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमित शाह ने एलान किया कि मणिपुर हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया जाएगा। साथ ही सीबीआई द्वारा भी हिंसा की छह घटनाओं की जांच की जाएगी। गृहमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच होगी। अमित शाह ने पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने का एलान किया, जिनमें से 5 लाख केंद्र सरकार और पांच लाख राज्य सरकार द्वारा दिए जाएंगे।

गृहमंत्री ने लोगों से अपील की कि जिनके पास हथियार हैं, वो हथियार पुलिस के पास जमा कर दें। कल से पुलिस कॉम्बिंग करेगी और कॉम्बिंग के दौरान जिन लोगों के पास हथियार मिलेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य में शांति बहाली के लिए राज्यपाल की अध्यक्षता में एक शांति समिति का भी गठन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न नागरिक संगठनों के लोगों को भी शामिल किया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि गृहमंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी और जॉइंट डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के साथ ही अन्य मंत्रालयों के अधिकारी भी मणिपुर पहुंचेंगे और लोगों की मदद करेंगे। केंद्र सरकार मेडिकल विशेषज्ञों की आठ टीमों को भी मणिपुर भेजेगी, जिनमें 20 डॉक्टर्स होंगे। ये टीमें हिंसा प्रभावित इलाकों में लोगों की मदद करेंगी। पांच टीमें मणिपुर पहुंच चुकी हैं और तीन अन्य भी जल्द पहुंच जाएंगी। ऑनलाइन माध्यम से स्कूलों को संचालित करने की भी तैयारी हो रही है और परीक्षाएं भी तय योजना के अनुसार होंगी।

शाह ने कहा कि मणिपुर उच्च न्यायालय की ओर से जल्दबाजी में लिए गए फैसले के कारण दो गुटों के बीच हिंसा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री ने लोगों से अफ़वाहों पर ध्यान ना देने और राज्य में शांति बनाए रखने की अपील की और साथ ही उग्रवादी समूहों को चेतावनी दी कि वे अगर संचालन का निलंबन (एसओओ) संधि का किसी भी प्रकार से उल्लंघन

करते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई भी जाएगी। शाह ने कहा कि मणिपुर में सुरक्षा की दृष्टि से काम कर रही विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस के सेवानिवृत्त महानिदेशक कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में एक 'इंटर एजेंसी यूनिफाइड कमांड' की व्यवस्था की जाएगी। शाह ने कहा कि हिंसा के दौरान जितने भी मामले दर्ज किए गए हैं उनमें से कुछ मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराई जाएगी।

इससे पहले बुधवार को अमित शाह ने कहा कि सरकार राज्य में शांति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही लोगों की सुरक्षित घर वापसी की सुनिश्चित की जाएगी। अमित शाह ने राहत कैंपों में रह रहे मैती और कुकी जनजाति के लोगों से भी मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिया कि सरकार सभी को सुरक्षा देने पर फोकस कर रही है ताकि वह लोग अपने-अपने घर लौट सकें।

बता दें कि मणिपुर में करीब एक महीने पहले ट्राइबल सॉलिडेरिटी मार्च के दौरान हिंसा भड़की थी। दरअसल मैती समुदाय के लोग जनजातीय आरक्षण की मांग कर रहे हैं। इसी के खिलाफ मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में ट्राइबल मार्च के दौरान हिंसा भड़की। हिंसा में अभी तक 80 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है। कई उग्रवादी संगठनों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की खबरें सामने आई हैं। सेना और पुलिस द्वारा जगह जगह सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है।

खेल
प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों का होगा असली टेस्ट

लंदन। सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पहले भारतीय टीम प्रबंधन गेंदबाजों का कार्यभार बढ़ाने पर जोर दे रहा है। फाइनल से पहले भारतीय गेंदबाज हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल-20 लीग में अलग-अलग टीमों से खेल रहे थे और अब उन्हें सीधा डब्ल्यूटीसी फाइनल में लाल गेंद के क्रिकेट में खेलना है।

तेज गेंदबाज उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, जयदेव उनादकट, अक्षर पटेल उस ग्रुप में शामिल थे जो इंग्लैंड में सबसे पहले पहुंचे थे। वहीं, गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इंग्लैंड पहुंचने में देरी हुई क्योंकि आईपीएल फाइनल सोमवार को खत्म हुआ। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे ने कहा, हमारी तैयारी अच्छी रही। हम शुरुआती सत्र में परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा रहे थे। हमारे पिछले दो सत्र अच्छे रहे। हमने गेंदबाजों का कार्यभार थोड़ा बढ़ाया है। हम यहां की परिस्थितियों से खुश हैं। यह कुछ वैसा ही है जिसकी आप उम्मीद करते हैं। मौसम खुशनुमा है, ठंड है, लेकिन इंग्लैंड में रहते हुए आप इसके अभ्यस्त हो जाते हैं।

भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने कहा कि उनका ध्यान बल्लेबाज के करीब रहने वाले क्षेत्ररक्षकों के कैच अभ्यास और स्लिप कैच पर है। उन्होंने कहा, टीम के सभी खिलाड़ी आईपीएल खेलकर आ रहे हैं। आईपीएल के दौरान मैदानी क्षेत्ररक्षण पर ध्यान रहा था इसलिए यहां पर हम कैच अभ्यास पर ध्यान दे रहे हैं। खासकर बल्लेबाज के करीब और स्लिप के कैच अभ्यास पर ज्यादा ध्यान हैं। वहीं, भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा, उन सभी ने काफी क्रिकेट खेली है। हम लाल गेंद से खेलने के अभ्यस्त होने का प्रयास कर रहे हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी गिरावट, सेंसेक्स 194 अंक टूटा

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को भारी उतार-चढ़ाव के बीच लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 194 अंक टूटकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच बैंक, धातु और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरू में बढ़त के साथ खुला। लेकिन अंत में 193.70 अंक यानी 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 62,428.54 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 263.1 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 46.65 अंक यानी 0.25 की गिरावट के साथ 18,487.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में भारती एयरटेल 3.42 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक 3.31 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और मारुति भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

एलपीजी के दामों में कटौती कमर्शियल सिलेंडर हुआ सस्ता

नईदिल्ली। जून महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी दाम को लेकर राहत की खबर है। एलपीजी गैस सिलेंडर बेचने वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने 1 जून को एलपीजी के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। 1 जून से एलपीजी सिलेंडर सस्ता हो गया है। हालांकि ये राहत सिर्फ कमर्शियल सिलेंडर में ही मिली है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में किसी भी तरह का बड़ा बदलाव नहीं देखने को मिला है। एलपीजी सिलेंडर के दामों में करीब 172 रुपए की कटौती की गई है। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। दिल्ली में 1 जून से कमर्शियल सिलेंडर 83.5 रुपए सस्ता हुआ है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1 जून से 1773 रुपए हो गई है। वहीं घरेलू एलपीजी की कीमत 1103 रुपए पर बरकरार है।

मई में विनिर्माण गतिविधियां 31 महीने के उच्च स्तर पर

नईदिल्ली। देश में विनिर्माण क्षेत्र की

गतिविधियां मई, 2023 में और बढ़कर 31 माह के उच्चस्तर पर पहुंच गई हैं। एक मासिक सर्वे में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। सर्वे में कहा गया है कि नए ऑर्डर बढ़ने, अनुकूल बाजार परिस्थितियों की वजह से समीक्षाधीन महीने में रोजगार के भी अधिक अवसर पैदा हुए हैं। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल के 57.2 से बढ़कर मई में 58.7 हो गया। यह क्षेत्र की सेहत में अक्टूबर, 2020 के बाद सबसे मजबूत सुधार है। मई के पीएमआई आंकड़े ने लगातार 23वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार की ओर इशारा करते हैं। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का स्तर संकुचन को दर्शाता है।

टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री मई में दोगुनी हुई

नईदिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर

(टीकेएम) की कुल बिक्री मई में दोगुनी होकर 20,410 इकाई पर पहुंच गई है। यह कंपनी का सबसे ऊंचा मासिक बिक्री आंकड़ा है। कंपनी ने पिछले साल समान महीने में 10,216 वाहन बेचे थे। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बाजार में थोक बिक्री 19,379 इकाई रही। उसने मई में अर्बन क्रूजर हाइराइडर की 1,031 इकाइयों का निर्यात भी किया। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) अतुल सूद ने कहा कि कंपनी ने मई में अपना सबसे ऊंचा मासिक बिक्री आंकड़ा हासिल किया है। उन्होंने कहा, ''ग्राहकों की जरूरतों को प्राथमिकता देकर हम शेष बचे साल के लिए भी आशान्वित हैं।''

क्यों दिवालिया हो रहे छोटे इकॉनमी वाले देश

चंद्रभूषण

एक बहुत बड़ा संकट दुनिया का दरवाजा खटखटा रहा है, लेकिन जो लोग भी इससे निपटने के लिए कुछ कर सकते हैं, वे इसकी तरफ आंखें मूंदे बैठे हैं। यह संकट कई विकासशील देशों के एक कतार से दिवालिया हो जाने का है, जिसकी अनदेखी करते हुए फिलहाल अमेरिका की कर्ज सीमा ही सबकी दिलचस्पी का सबब बनी हुई है।

पिछले साल हमने पड़ोसी मुल्क श्रीलंका को आर्थिक संकट और अराजकता से गुजरते देखा था। लेकिन अफ्रीका में तो ऐसी ही या शायद इससे भी बुरी हालत में पहुंच रहे देशों की लाइन लगी हुई है। यह मामला अफ्रीका तक सीमित नहीं है। वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ के मुताबिक, 60 फीसदी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का अभी यही हाल है। अफ्रीका में सबसे पहले सन 2020 में जांबिया ने विदेशी कर्जों की अदायगी में असमर्थता जाहिर की। उसके कर्जों की रीस्ट्रक्चरिंग का मामला आज भी सुलटा नहीं है। पिछले साल घाना में जांबिया से भी बड़े दिवालियेपन का मामला उभर आया है। आईएमएफ ने विदेशी कर्जदाताओं को देरी से कर्ज वापसी के लिए मना लेने के बाद काफी सख्त शर्तों के साथ कुछ नए कर्जे भी घाना के लिए जारी किए हैं। लेकिन विदेशियों का तीन गुना कर्ज घाना में घरेलू कर्जदाताओं-बैंकों और बीमा कंपनियों का है, जिनके लिए कर्जमाफी का मतलब यह होगा कि दिवालियापन सरकार से हटकर घर-घर की कहानी बन जाएगा। केन्या में भी कुल सरकारी आय का 70 फीसदी हिस्सा फिलहाल कर्ज और ब्याज की अदायगी में जा रहा है और अगले साल आ रही यूरोबॉन्ड की एक बड़ी देनदारी किसी भी हाल में उसके बूते से बाहर रहेगी। इंटरनैशनल

इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंस का कहना है कि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक को केन्या जैसे देशों के कर्ज संकट का निदान उनके हाथ खड़े करने से पहले शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि दिवालिया घोषित होने के बाद अर्थव्यवस्था लंबे समय के लिए ठप हो जाती है। बहरहाल, मामला दो-चार विकासशील देशों का न होकर 60 फीसदी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संकटग्रस्त होने का है तो दुनिया को फ्रेम से बाहर निकलकर सोचना होगा, क्योंकि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक में सबको उबारने का बूता नहीं है। इतने बड़े पैमाने पर आ रहे संकट की वजह सीधी है। 2008-09 की मंदी के बाद सारी सरकारों ने, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने उद्योग-व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सस्ते कर्जे बांटे और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लंबे-चौड़े काम शुरू कर दिए। ग्लोबलाइजेशन अपनी रफ्तार से चलता रहता तो जल्द ही इन निवेशों पर रिटर्न आने लगता और धीरे-धीरे कर्जे सधा दिए जाते। लेकिन पहले 2017 से शुरू हुए डॉनल्ड ट्रंप के संरक्षणवादी उपायों से विश्व व्यापार बाधित हुआ, फिर 2020 की पहली तिमाही बीतने के साथ कोरोना की विश्वव्यापी बंदी शुरू हो गई।

दो साल की इस ऐतिहासिक अड़चन के बाद थोड़ी सांस आनी शुरू हुई तो यूक्रेन में एक छोटे स्तर का 'प्रॉक्सी वर्ल्ड वॉर' ही शुरू हो गया। कच्चा तेल, खाद्यान्न और कर्ज, तीनों की एक साथ महंगाई ने छोटी अर्थव्यवस्थाओं की कमर तोड़ दी। इस क्रम में कुछ देशों की व्यवस्थागत कमजोरियां भी सामने आने लगीं, जो सामान्य स्थिति में शायद ज्यादा देर तक छिपी रह जातीं। इसका एक ज्वलंत उदाहरण हमारा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान है, जहां विदेशी कर्ज के मोर्चे पर आईएमएफ की मदद और चीन की दरियादिली के बावजूद अर्थव्यवस्था को मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा संकट की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में एक साल के अंदर 35 प्रतिशत से भी ज्यादा की बढ़त वहां अराजकता की शक्ल में सड़कों पर फूट पड़ी है, हालांकि इसे राजनीतिक विरोध का ही कहा जा रहा है। कुछ बड़े अमेरिकी वित्तीय संस्थानों के डूबने के साथ शुरू हुई पिछली महामंदी को जी-20 के मंच से बनी समझदारी के जरिए दो साल के अंदर ही संभाल लिया गया था। फिर भी 2014-15 तक कई अर्थव्यवस्थाओं पर कर्ज का संकट मंडराता रहा।

हरिवंश ने नीतीश को जता दिया पार्टी से ऊपर है राष्ट्रधर्म

कुणाल वर्मा

राज्यसभा के उपसभापति और वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश नारायण सिंह को लेकर हलचल है। हरिवंश इसलिए चर्चा में हैं क्योंकि उन्होंने पार्टी लाइन को दरकिनार करते हुए अपने पद के सम्मान को बरकरार रखने की ठानी। मामला नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह से जुड़ा है। हरिवंश नारायण सिंह जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कोटे से राज्यसभा सांसद हैं। उनकी पार्टी ने इस समारोह का बहिष्कार कर रखा था। पार्टी ने उम्मीद पाल रखी थी कि राज्यसभा के उपसभापति भी पार्टी का कहना मानें और समारोह का बहिष्कार करें। पर हरिवंश नारायण सिंह ने न केवल अपने पद की लाज रखी, बल्कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का संदेश भी पढ़ा। उन्होंने कर्तव्यपथ पर सही और गलत का फैसला लेते हुए राष्ट्रधर्म का पालन किया। निश्चित तौर पर हरिवंश नारायण सिंह का यह कदम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को नागवार और अरुचिकर लगा होगा। हरिवंश को जदयू ने साल 2014 में अपने कोटे से राज्यसभा भेजा था। हरिवंश अपनी काबिलियत के बल पर उपसभापति की कुर्सी पर बैठे। उस वक्त जदयू ने इसे अपनी पार्टी के लिए गर्व और सम्मान के रूप में देखा था। पर आज जब उसी पद का गरिमा का सम्मान करते हुए हरिवंश ने संसद भवन समारोह में शिरकत की तो पार्टी इसे गद्दारी का नाम दे रही है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने यह बयान तक दे डाला कि हरिवंश ने अपनी लेखनी और जमीर को बेच डाला। बात जब राष्ट्रधर्म की आती है तो कई नेताओं ने अपने दल के वसूलों और नीतियों के खिलाफ मोर्चा लिया है। खासकर संवैधानिक पद पर बैठे राजनेताओं ने इस तरह का निर्णय लेने में जरा भी देरी नहीं दिखाई है। हरिवंश कोई अपवाद नहीं हैं। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने पार्टी से अधिक अपने संवैधानिक पद को सम्मान दिया था। यह जुलाई 2008 की बात है। इस दौरान मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिका से महत्वपूर्ण परमाणु समझौता किया था। वामपंथी दल इस समझौते से नाराज थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने परमाणु समझौते से नाराजगी दिखाते हुए सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा कर दी। 22 जुलाई को संसद में मनमोहन सरकार के लिए परीक्षा का दिन था। पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। उस वक्त पार्टी के सभी सदस्यों को अपना पद छोड़ने और अविश्वास प्रस्ताव में सरकार के विरोध में मत डालना था। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया था। उन्हें अपने पद की गरिमा और प्रतिष्ठा का पता था। माकपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश करात ने राष्ट्रपति को पत्र सौंपकर अपने सभी सांसदों द्वारा सरकार से समर्थन वापस लेने की बात कही थी। इस पत्र में सोमनाथ चटर्जी का नाम भी दर्ज था। पर सोमनाथ चटर्जी ने स्पष्ट तौर पर संदेश दे दिया था कि वे जिस पद पर बैठे हैं वह पद पार्टी से काफी ऊपर है। सोमनाथ चटर्जी का यह निर्णय पार्टी को चुभ गया। दस बार के सांसद रहे सोमनाथ चटर्जी को निलंबित करने में पार्टी ने देरी नहीं की। कई दशकों तक पार्टी की सेवा में लगे रहे सोमनाथ चटर्जी के निष्कासन से उनकी सेहत पर तो कोई असर नहीं हुआ, उल्टा माकपा नीतियों की थू-थू जरूर हुई। हालांकि, इस घटना से सोमनाथ चटर्जी बेहद आहत हुए थे। उन्होंने उस वक्त कहा था कि भविष्य में जो भी लोकसभा का अध्यक्ष बने उसे सबसे पहले अपनी पार्टी से इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि वह अपनी इच्छा के अनुसार कार्य कर सके। उनका बयान यह बताने के लिए काफी है कि राष्ट्रहित से ऊपर कुछ नहीं है। हरिवंश नारायण सिंह के साथ क्या एक बार फिर वही इतिहास दोहराया जाएगा? जिस तरह जदयू के नेता बयानबाजी कर रहे हैं वह अनायास ही नहीं है। निश्चित तौर पर पार्टी की तरफ से संकेत मिल चुके होंगे। पर सवाल यह है कि पार्टी से निकाले जाने के बाद क्या हरिवंश नारायण सिंह की सेहत पर असर पड़ेगा? तो इसका जवाब न में है। संविधान विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अंभोज कुमार सिन्हा कहते हैं हरिवंश नारायण सिंह जिस संवैधानिक पद पर बैठे हैं, उसी संविधान में इस तरह के प्रावधान हैं कि पार्टी से निकाले जाने के बावजूद भी वे उस पद पर बने रह सकते हैं। संविधान की दसवीं अनुसूची में इसके स्पष्ट प्रावधान दिए गए हैं।

मोदी विरोध से विपक्ष संसद का विरोध

ललित गर्ग

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान बढ़ रहा है, वहीं भारत में लोकतंत्र के इतिहास की एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक घटना का बहिष्कार करते हुए समूचा विपक्ष भारतीय लोकतांत्रिक उजालों पर कालिख पोतने का प्रयास कर रहा है। यह समय न केवल नये संसद भवन के उद्घाटन बल्कि लगातार दुनिया में भारत एवं उसके महानायक के सम्मान की घटनाओं को लेकर गर्व एवं गौरव करने का है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन ऐतिहासिक क्षणों को यादगार बनाते हुए विपक्ष विवेक एवं परिपक्व सोच का परिचय देने की बजाय संकीर्ण, बिखरावमूलक एवं विनाशकारी राजनीति का परिचय दे रहा है। अब यह लगभग तय हो चुका है कि लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह से विपक्ष के 19 दल गायब रहेंगे। इन विपक्षी दलों ने बाकायदा घोषणा कर दी कि वे रविवार को होने वाले इस समारोह का बहिष्कार करेंगे। कारण यह है कि संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों करना तय किया गया है, जबकि विपक्षी दलों के मुताबिक यह काम राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी जापान, पापुआ न्यू गिनी और आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सम्मान मिला, वह हर भारतीय को अभिभूत कर देने वाला है। यह सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। यह सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। सौ साल में आई भयंकर कोरोना महामारी, दूसरी तरफ युद्ध की स्थिति में बंटा हुआ विश्व और संकट भरे माहौल को प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से सम्भाला इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा। पूर्व के छोर पर स्थित छोटे से देश पापुआ न्यू गिनी जैसे अनेक जरूरतमंदों देशों की भारत ने मदद कर मानवता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

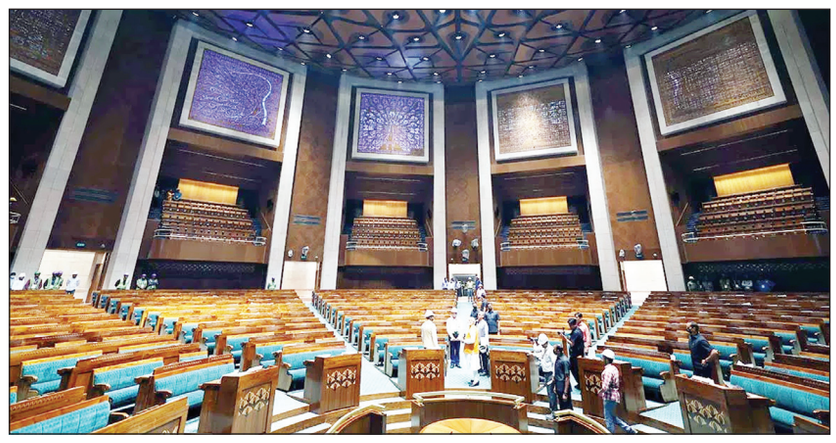

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पापुआ न्यू गिनी पहुंचने पर सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हैं। किसी जमाने में पेशावर से पापुआ न्यू गिनी तक हिन्दू संस्कृति का साम्राज्य था। पांव छूने की इस घटना ने हमारी उस प्राचीन संस्कृति को एक बार फिर से मजबूत कर दिया। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। उनको मिले सम्मान से हर भारतीय अभिभूत एवं गौरवान्वित है, स्वस्थ राजनीतिक धर्म का पालन करते हुए तमाम विवादों के रहते विपक्ष को उनको मिल रहे सम्मान का स्वागत करना चाहिए। लेकिन सम्मान तो दूर की बात उनके द्वारा संसद भवन के लोकार्पण करने के कारण ही इस ऐतिहासिक घटना का बायकाट कर विपक्ष ने अपने विपक्षी धर्म को धुंधलाया है, जो शर्मनाक एवं लज्जाजनक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच एक दूसरे के लिए जबरदस्त आत्मीय भाव दिखा। बाइडेन और मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। अमेरिका में आपके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अनेक बड़ी-बड़ी हस्तियां मेरे से टिकट उपलब्ध करने के लिए सिफारिशें कर रही हैं। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर पूरा स्टेडियम इंडिया-इंडिया के शोर से गूंज उठा उसे देखकर आस्ट्रेलियाई पीएम को भरे मंच से कहना पड़ा कि मोदी ही बॉस हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियां जिसे इतना सम्मान दे रही हैं, ऐसे युगपुरुष के करकमलों से संसद भवन का उद्घाटन होना सौभाग्य की बात है। इस सौभाग्य को घटित होते हुए देखना एवं उसमें शामिल होने का भाव विपक्ष में जागना, कहीं-न-कहीं विपक्ष को उजाले साये ही देता। लेकिन जो अंधेरे सायों से प्यार करते हैं, उनकी आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है विपक्ष की बुद्धि एवं विवेकहीनता पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करता है, आकाश में पैबंद लगाना चाहता हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर राजनीति रूपी सागर की यात्रा करना चाहता है।

नरेन्द्र मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गईं, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी हैं। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। विरोध करने वाले दल एवं राजनेता स्वयं भी इस बात को महसूस करते हैं। फिर भी वर्ष 2024 के चुनावों के मद्देनजर जनता को गुमराह करने के लिये और उसका मनोबल कमजोर करने के लिये वे उजालों पर कालिख पोत रहे हैं, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावना है। विपक्षी दल एवं उनके नेताओं को सद्बुद्धि आए, वे अपना श्रम एवं श्रम सार्थक एवं उद्देश्यपरक राजनीति को मजबूत करने में लगायें तो भारत का लोकतंत्र ज्यादा सुदृढ़ होगा। विरोध ही करना हो तो स्तर का विरोध करें, क्योंकि लोकतंत्र में स्तर का विरोध एवं आलोचना का स्वागत है और इससे लोकतंत्र को मजबूती ही मिलती है।

विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन का सुझाव दिया, सही है। लेकिन इसको लेकर जो जड़ता एवं हठधर्मिता का प्रदर्शन किया, वह गलत है। विपक्ष का यह कहना है कि प्रधानमंत्री सदन का हिस्सा और शासन प्रमुख होने के नाते अक्सर विपक्ष के निशाने पर रहते हैं और उन्हें उस तरह की निर्विवाद हैसियत हासिल नहीं होती, जो संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राष्ट्रपति को प्राप्त होती है। लेकिन यहां बड़ा सवाल यह है कि इस सुझाव पर विपक्ष को सामान्य स्थिति में कितना जोर देना चाहिए था। क्या इसे इस सीमा तक खींचना जरूरी था कि उस आधार पर समारोह का ही बहिष्कार कर दिया जाए? निश्चित रूप से विपक्ष की यह हठधर्मिता सहज-स्वाभाविक नहीं कही जा सकती। यह इस बात का सबूत है कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने की बजाय प्रधानमंत्री का विरोध ही विपक्ष की नियति बन गयी है। नौ वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा विरोध मोदी का हुआ, शायद पहले कभी किसी प्रधानमंत्री का नहीं हुआ। मोदी का विरोध कोई नयी बात नहीं है। आश्चर्य इस बात का है कि विरोध की तीव्रता एवं दीर्घता के बावजूद मोदी के अस्तित्व पर कोई आंच नहीं आयी। हां, इन स्थितियों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेदों की खाई बहुत ज्यादा चौड़ी हो चुकी है। दोनों के बीच विश्वास का संकट पैदा हो गया है। यही चिंता की सबसे बड़ी बात है और एक आदर्श एवं सफल लोकतंत्र को कमजोर करने की द्योतक है। प्रधानमंत्री की आलोचना करना विपक्ष के लिए आसान हो सकता है लेकिन उनके त्याग को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है। ऐसे में विपक्ष को भगवान सद्बुद्धि दें।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

कृष्णोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

परम पुरुष भगवान् का यह आश्वासन प्राप्त करके वे सभी देवगण अत्यधिक आनन्दित होते हुए बोले कि अब हम कृतार्थ हो गये। तदनन्तर वे समस्त देवगण भगवान् की सेवा हेतु प्रकट हुए। भगवान् का परम आनन्दमय स्वरूप ही अंशरूप में नन्दराय जी के रूप में उत्पन्न हुआ। स्वयं साक्षात् मुक्तिदेवी नन्दरानी यशोदा जी के रूप में अवतरित हुईं। सुप्रसिद्ध माया तीन प्रकार की कही गयी है, जिनमें से प्रथम सात्त्विकी, द्वितीय राजसी और तृतीय तामसी । भगवान् के भक्त श्रीरुद्र देव में सात्त्विकी माया विद्यमान है, ब्रह्मा जी में राजसी माया है और असुरों में तामसी माया का प्राकट्य हुआ है। इस कारण से यह तीन प्रकार की बतलायी गयी है। इसके अतिरिक्त जो वैष्णवी माया है, उसको जीतना हर किसी के लिए असंभव है। इस माया को प्राचीन काल में ब्रह्मा जी भी पराजित नहीं कर सके।

देवता भी सदा जिस वैष्णवी माया की स्तुति करते हैं, वही ब्रह्म विद्यामयी वैष्णवी माया ही देवकी के रूप में प्रादुर्भूत हुई। निगम अर्थात् वेद ही वसुदेव हैं, जो निरन्तर मुझ पूर्ण पुरुष नारायण के विराट् स्वरूप की स्तुति करते हैं। वेदों का तात्पर्यभूत ब्रह्म ही श्री बलराम एवं श्रीकृष्ण के रूप में इस पृथ्वी पर अवतरित हुआ। वह मूर्तिमय वेदार्थ ही वृन्दावन में विद्यमान गोप एवं गोपियों के साथ क्रीड़ा करता है।

वेदों की ऋचाएँ उन भगवान् श्रीकृष्ण की गौएँ एवं गोपियाँ हैं। ब्रह्माजी ने लकुटी का रूप धारण किया है तथा भगवान् रुद्र वंश (वंशी) बने हुए हैं। सगोसुर इन्द्र (अर्थात् वज्रधारी देव इन्द्र यहाँ गो का अर्थ वज्र तथा सुर का अर्थ देव लिया गया है।) श्रृंग (सींग का बना वाद्ययंत्र) का रूप धारण किए हुए हैं।

गोकुल के नाम से प्रसिद्ध वन के रूप में जहाँ स्वयं साक्षात् वैकुण्ठ प्रतिष्ठित है, वहाँ पर द्रुमों (वृक्षों) के रूप में तप में रत महात्मा स्थित हैं। लोभ-क्रोधादि षड् विकारों ने महान् दैत्य असुरों का रूप धारण कर लिया है, जो कलियुग में (केवल भगवान् श्रीकृष्ण के नाम जप मात्र से ही) विनष्ट हो जाते हैं। स्वयं साक्षात् भगवान् श्रीहरि ही गोपरूप में लीला विग्रह का रूप धारण किये हुए हैं।

क्रमशः ...

बेटी की शादी में बारातियों को पौधे भेंट किए

चालीस साल पहले जब मैंने पहली बार वृक्षारोपण की शुरुआत की थी, तब मुझे तनिक भी अंदाजा नहीं था कि मेरा यह काम आगे चलकर इतने वृहद स्तर पर फैल जाएगा। वैसे भी पुलिस की नौकरी के बीच मुझे अपने इस जुनून के लिए समय निकालना शुरू में मुश्किल होता था। मैं केरल के अलपुझा जिले में तैनात 55 वर्षीय पुलिस इंस्पेक्टर हूँ। वैसे कोई निश्चित गिनती तो नहीं है, पर पंद्रह वर्ष की उम्र में शौकिया शुरू हुआ मेरा वृक्षारोपण का सफर आज आम, बेर, कटहल के करीब एक लाख से ज्यादा पौधों तक पहुँच चुका है। अलपुझा के साथ पड़ोसी एर्नाकुलम जिले में मैंने अधिकांश पेड़ सड़कों के किनारे और वहाँ लगाए है, जहाँ पर लोग घूमने जाते हैं।

हालाँकि मेरा सफर इतना आसान भी नहीं रहा। अधिकांश समय मेरा राज्य केरल सूखे से प्रभावित रहता है, जिस वजह से मुझे पौधों को पानी देने के लिए दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। लोगों की मदद के कारण मेरी मेहनत थोड़ी आसान हो जाती है। कुछ स्थानीय किसान मुझे जैविक खाद के लिए जरूरी मवेशियों का गोबर मुफ्त में देते हैं। मुझे लोगों द्वारा

यह दान पुलिस वाला होने के नाते किसी धौंस के कारण नहीं, बल्कि मेरे काम के फायदों से प्रभावित होकर मिलता है। एक पौधे के स्वस्थ विकास के लिए उसे लगाए जाने से लेकर बीस दिनों तक देखभाल करने की आवश्यकता होती है। मैं ड्यूटी के वक्त अपने पास रिवाल्वर तो रखता ही हूँ, साथ में पौधे लगाने का पूरा इंतजाम भी रखता हूँ। मुझे जहाँ भी लगता है कि वहाँ एक पौधे की जरूरत है, वहाँ पौधा लगा देता हूँ। इसके अलावा मुझे जब भी वक्त मिलता है, मैं पौधे लगाने का काम शुरू कर देता हूँ। मैं अक्सर दूर-दूर तक पौधा लगाने के लिए उचित और सुरक्षित स्थान ढूँढ़ने निकल पड़ता हूँ। इस काम के लिए मैं अपनी हर महीने की तनख्वाह से छह हजार रुपये पर्यावरण की बेहतरी के लिए खर्च करता हूँ। मेरे काम को लेकर शुरू-शुरू में लोग मुझ पर हँसते थे, पर अब वही लोग मेरे नक्शे-कदम पर चल रहे हैं। मैंने इस काम को इस कदर तवज्जो दी कि जब मैंने अपनी बेटी की शादी की थी, तब बारातियों को 20 हजार पौधे उपहार में दिए थे और उनसे पौधे लगाने की अपील की थी।

छह साल पहले जब विश्व पृथ्वी दिवस पर मुझे एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, तब जिले के पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थानों के लिए निर्देश जारी किया था कि हर थाने में थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी मिलकर पाँच पेड़ लगाएँ। मेरे लिए यह निर्देश मेरे व्यक्तिगत सम्मान से भी बड़ा पुरस्कार था। मुझे खुशी है कि कई दूसरे गैर सरकारी संगठन भी वृक्षारोपण के मेरे काम का अनुसरण कर केरल को हरा-भरा बनाए रखने के लिए आगे आए हैं।

इसके अलावा, जब लोक मेरे लगाए पेड़ों की छाया में रुकते हैं और बच्चे उनमें लगे फल तोड़कर खाते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरे काम का फल मुझे मिल गया। मेरा मानना है कि एक साधारण पौधा भी दूसरों को जिंदगी देता है और लोग पेड़ों में भगवान को महसूस कर सकते हैं यही कारण है कि मुझे पेड़ लगाना अच्छा लगता है, क्योंकि पेड़ों के बिना मानव जीवन संभव ही नहीं हैं।

प्रचंड भारत के साथ रिश्ते बढ़ाने की कोशिश में क्यों है?

अभिनय आकाश

नेपाल और भारत के बीच रोटी और बेटी का संबंध है। दोनों मुल्क के नेताओं को अगर भारत-नेपाल संबंध पर दो शब्द बोलना पड़े तो, भाषण ही इसी मुहावरे से शुरु होता है। ऐसी बात नहीं कि इस मुहावरा में सच्चाई नहीं। बात त्रेता युग की करें तो अयोध्या के राजकुमार भगवान श्रीरामचन्द्र का विवाह जनकनंदनी सीता से हुआ था। यह क्रम अभी भी जारी है। आम तौर पर माना जाता है कि भारत और नेपाल घनिष्ट मित्र हैं और दोनों देशों कि मित्रता हजारों वर्ष पुरानी है। जिसके केंद्र में संस्कृति और धर्म है। नेपाल वर्षों तक दुनिया का अकेला ऐसा देश था तो खुद को हिन्दू राष्ट्र कहता था। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने आज दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस दौरान उन्होंने बहराइच में बने चेकपोस्ट का उद्घाटन भी किया। ये चेकपोस्ट भारत सरकार और यूपी सरकार की मदद से बनाया गया है। इस चेकपोस्ट के बनने से दोनों देशों के व्यापार में आसानी होगी। ये चेक पोस्ट 230 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। प्रचंड के साथ नेपाल सरकार के कई मंत्री भी भारत दौरे पर आए हुए हैं। नेपाल के विदेश मंत्री का कहना है कि दोनों देशों के बीच आतंकवाद पर लगाम लगाने को लेकर भी बातचीत हुई है। नेपाल के प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद प्रचंड की ये पहली भारत यात्रा है। वो 3 जून तक भारत में रहेंगे।

नेपाल और भारत के बीच 1800 किलोमीटर की खुली सीमा है। ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाली गोरखा के बीच हुई लड़ाईयों के बाद 1816 में दोनों के बीच सुगौली सीमा संधि हुई थी। लेकिन पिछले कुछ समय से नेपाल के पश्चिमी उत्तरी सीमा बिंदु को लेकर विवाद चल रहा है। पश्चिमी की सीमा

महाकाली नदी को माना गया है। नेपाल का दावा है कि पश्चिमी सीमा कालापानी है, जो 1816 के बाद नेपाल में था। 1960 के दशक में भारत चीन युद्ध के आसपास से वहां भारत का कब्जा है। इसके साथ ही लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भी नेपाल ने विवाद खड़ा किया। चीन के साथ लगते हुए इस क्षेत्र की वजह से ये एक ट्राइजक्शन प्लाइंट है, जिसका अपना एक विशेष सामरिक महत्व है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय सत्ता से हटाए जाने से पहले नेपाल के पहले प्रधानमंत्री मोहन शमशेर राणा ने भारत के साथ मैत्री संधि की थी। 31 जुलाई 1950 को हुई इस संधि पर मोहन शमशेर और भारतीय राजदूत चंदेश्वर प्रसाद नारायण के हस्ताक्षर हैं। नेपाल में मानना है कि हस्ताक्षरकर्ता का %प्रोटोकॉल% ही सही नहीं है। सत्ता बचाने के लिए राणाओं ने भारत से संधि की, जो नेपाल की सार्वभौम सत्ता को कमजोर करती है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड का भारत से रिश्ता कोई नया नहीं है। 1996 से 2006 तक नेपाल में चले गृह युद्ध के दौर में राजशाही और माओवादियों के बीच संघर्ष छिड़ा था। इस दौरान प्रचंड समेत कई माओवादी नेता अपना देश छोड़कर भारत में रह रहे थे। नेपाल में जब माओवादियों को लेकर रोष बढ़ा तो भारत ही मध्यस्थ की भूमिका में नजर आया। इतना ही नहीं प्रचंड समेत नेपाल के माओवादी नेताओं से शांति समझौते पर बात की थी। जिसके परिणामस्वरूप 2006 में शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए और फिर नेपाल में चुनाव का रास्ता साफ हुआ। इस चुनाव में माओवादियों की जीत हुई और प्रचंड प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे। लेकिन साल 2008 में पीएम बनने के बाद प्रचंड ने चीन की यात्रा की, जबकि नेपाल में कोई भी प्रधानमंत्री के पद ग्रहण करने के बाद भारत की पहली यात्रा की रवायत रही है। 2016-17 में प्रचंड के एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की कुर्सी संभालने के बाद भारत को लेकर रुख बेहद ही तल्ख नजर आए। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि नेपाल अब वो नहीं करेगा, जो भारत कहेगा। लेकिन वो कुर्सी पर कुस ही समय के लिए रह पाए और जल्द ही उनकी सत्ता से विदाई हो गई।

पिछले कुछ वर्षों में नेपाल ने भारत की आपत्तियों के बावजूद चीन के साथ कई तरह के समझौते किये हैं। नेपाल ने चीन की कंपनियों को अपने यहां एनर्जी खोज की अनुमति दी है। नेपाल इंटरनेट सेवाओं के लिए भी भारत पर निर्भर नहीं रहा, बल्कि चीन की मदद मिलने लगी है। चीन की वन बेल्ट-वन रोड (ओबोर) परियोजना में भी नेपाल शामिल है और इसके लिए दोनो के बीच समझौते भी हुए हैं। नेपाल इन दिनों आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। प्रचंड ने पहले कोशिश की थी कि चीन के साथ रिश्ते मजबूत किया जाए लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंततः उन्हें भारत समर्थक नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन करना पड़ा। ऐसे में अब नेपाल की राजनीति में वाम दलों के साथ आने की संभावना बेहद ही कम है। ऐसे में प्रचंड को पता है कि नेपाल में भारत की अच्छी छवि है।

अब ड्रैगन को नाराज कर मोदी से दोस्ती

भारत में प्रचंड की छवि चीन के प्रति झुकाव रखने वाले नेता की बनी थी। प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान नेपाल के भारत से रिश्ते अच्छे नहीं थे। पीएम बनने के 5 महीने बाद इस बार उनकी ऐसी कोई छवि न बने, इसलिए भारत आने से पहले उन्होंने चीन के बेआओ फोरम फॉर एशिया का निमंत्रण ठुकरा दिया था। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान प्रचंड के एजेंडे में अपने दो नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भारत से मदद की मांग भी शामिल है।

नेपाल में हिंदू राज्य बनाने की मांग फिर से जोर पकड़ने लगी है। नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र लगातार देश में दौरा कर रहे हैं और जनता से राजनेताओं की क्षमता को लेकर सवाल कर रहे हैं। नेपाल में हाल ही में चुनाव में एक राजनीतिक दल ने तो खुलकर राजशाही का समर्थन किया था। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने कई बार भारत का दौरा करके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं से मुलाकात भी की है। दरअसल, गोरक्षा पीठ और नेपाल की राजशाही में बहुत पुराने संबंध रहे हैं। गोरखनाथ मंदिर में नेपाल के राजा की ही पहली खिचड़ी चढ़ती है। नेपाल का शाही परिवार बाबा गोरखनाथ के भक्त रहे हैं। यही वजह है कि पशुपतिनाथ मंदिर के देश नेपाल के पीएम प्रचंड अब भारत और शिव के साथ रिश?ते को मजबूत करने में जुट गए हैं।

बापू की दिनचर्या

स्वाध्याय और लेखन (भाग-2)

गतांक से आगे...

गुजराती भाषियों के लिए उन्होंने साप्ताहिक नवजीवन गुजराती में आरंभ किया तो हिंदीभाषियों के लिए हिंदी नवजीवन निकाला। सारा वातावरण हिंदीमय न होने तक अंग्रेजी की आवश्यकता का अनुभव कर उन्होंने यंग इंडिया चलाया। हिंदी का उन्होंने अभूतपूर्व प्रचार-प्रसार किया- खासकर दक्षिण भारत में। स्वयं लोकजागृति के उद्देश्य से उन्होंने हिंदी सीखी। बापू को अपने हस्ताक्षर चौदह भाषाओं में करने का अभ्यास था। उनकी अंग्रेजी इतनी सरल, संक्षिप्त और ठोस होती कि उनके कट्टर विरोधी अंग्रेज भी उनका यंग इंडया बहुत चाव से पढ़ते और प्रति सप्ताह उत्सुकतापूर्वक उसकी प्रतीक्षा किया करते। स्वयं वाइसराय लार्ड रीडिंग उसकी अतिरिक्त प्रति अलग से मँगवाते। वे ऐसा कार्यालय की प्रति मिलने में विलंब की आशंका से करते। दीनबंधु सी. एफ. एंड्रयूज ने एक बार कहा था कि गांधीजी की अंग्रेजी उच्च शिक्षा प्राप्त अंग्रेज की अंग्रेजी की भाँति शुद्ध और परिमार्जित है और ऐसी अंग्रेजी भारत में बहुत कम लोग लिख सकते हैं। कानून की पुस्तकें अच्छी तरह समझने के लिए बापू ने लैटिन भाषा सीखी। फ्रेंच और संस्कृत के वे ज्ञाता थे। मराठी भाषा की उनको सामान्य जानकारी थी। बापू ने एक बार दक्षिण अफ्रीका में गोपाल कृष्ण गोखलेजी का व्याख्यान मराठी में कराया और स्वयं दुभाषिया बनकर उसका अनुवाद किया। भारत आने पर जब उन्होंने सत्याग्रह - आश्रम स्थापित किया, तब काका साहब कालेलकर तथा अन्य कई महाराष्ट्रीय महानुभावों से उनका संपर्क हुआ। यरवदा जेल में काका साहब के सहयोग से मराठी सीखने का उनको अवसर मिला। अपनी मातृभाषा गुजराती का उन्होंने बहुत विकास किया। हिंदू-मुस्लिम-समस्या का हल ढूँढ़ते हुए बापू ने यरवदा जेल में मंजर अली सोख्ता से उर्दू भाषा का ज्ञान प्राप्त किया। वे उन्हें अपना मूल्यवान् साथी और आदर्श उर्दू-शिक्षक बताते। रेहाना बहन को भी यह श्रेय प्राप्त था। यरवदा में उन्होंने जेल के पुस्तकालय से उर्दू की किताबें मँगवाकर पढ़ीं, किंतु उर्दू वे बहुत अधिक नहीं सीख पाये। बापू को उर्दू-कापी लिखते देखकर सरदार पटेल ने एक बार उनसे विनोद किया था कि इसमें जी रह जाएगा तो उर्दू- मुंशी का अवतार लेना पड़ेगा।

क्रमशः ...

रायगढ़ जिले को मिली 465 करोड़ रूपए की सौगात

मुख्यमंत्री ने रायगढ़ जिला कार्यालय परिसर में किया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में शामिल होने के पूर्व कलेक्टर कार्यालय परिसर रायगढ़ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने यहां स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण किया, साथ ही रीपा के कार्यों का अवलोकन कर इससे जुड़े समूहों के कार्यों को सराहा। मुख्यमंत्री इस मौके पर रायगढ़ जिले को 465 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दिया । जिनमें 258 करोड़ 74 लाख 26 हजार रुपये की लागत वाले 59 विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा 207 करोड़ 4 लाख 49 हजार रुपये की लागत से निर्मित 53 कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल दूरस्थ अंचलों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से धरमजयगढ़ एवं पुसौर विकासखण्ड में 58 लाख रुपये से अधिक लागत के 2 हमर लैब का लोकार्पण किया। जिला चिकित्सालय रायगढ़ में सस्ती दवा दुकान धन्वंतरी मेडिकल का भी शुभारंभ किया। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे

युवाओं के मार्गदर्शन और उन्हें तैयारी के अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घरघोड़ा स्थित मुख्यमंत्री युवा केन्द्र में सुविधाओं का विस्तार किया गया है, यहां के उन्नयन कार्यों का भी लोकार्पण भी मुख्यमंत्री ने किया। रायगढ़ में संचालित जिला ग्रन्थालय का उन्नयन करते हुए हाईटेक बनाया गया है और छात्रों के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ायी गयी है। इसका लोकार्पण भी मुख्यमंत्री के हाथों हुआ। इसी तरह अन्य लोकार्पण, भूमिपूजन एवं शिलान्यास के तहत निर्माण विभागों के 186 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से 62 कार्य शामिल है। जिसमें सड़कों, स्कूल भवन व अन्य भवनों के निर्माण और जीर्णोद्धार/उन्नयन कार्य शामिल है। नगर पालिक निगम रायगढ़ अंतर्गत 14 करोड़ 39 लाख 71 हजार रुपये की लागत के सड़क सुधार कार्य, वार्डो में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शामिल है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 38 करोड़ 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत के कार्य शामिल है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत 107 करोड़ 68 लाख 20 हजार रूपये की लागत से 27 समूह नलजल, सोलर आधारित नलजल कार्य शामिल है। परिवहन विभाग अंतर्गत 95 लाख 95 हजार रुपये की लागत से जिला परिवहन कार्यालय का भूमिपूजन कार्य शामिल है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अंतर्गत 4 करोड़ 58 लाख 63 हजार रुपये की लागत से 12 कार्य शामिल है। आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत 4 करोड़ 68 लाख 70 हजार रुपये की लागत से 3 जगहों पर 50 सीटर प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास तथा लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंतर्गत 108 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से 5 पुल का निर्माण कार्य भी शामिल है।

भूपेश ने किया बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को रायगढ़ जिले में श्री बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ किया। 400 बिस्तरों के इस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों को अब एडवांस कैथ लैब, आईसीयू की सुविधाएं मिलेगी। बालाजी हॉस्पिटल में 12 वेंटीलेटर के साथ 70 बिस्तरों का एडवांस आईसीयू सेटअप तैयार किया गया है, जिससे जिले के आसपास के गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज सुविधाएं मिलेंगी। इस अस्पताल में एडवांस कैथ लैब भी स्थापित किया गया है ताकि दिल की बीमारियों से जुड़े मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। बालाजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक्मो मशीन के साथ रेस्पिरेटरी विभाग, आधुनिक डायलिसिस मशीन, नेफ्रोलॉजी विभाग, एडवांस गैस्ट्रो विभाग, न्यूरोलॉजी और यूरोलॉजी विभाग सहित शुगर जांच की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री श्री अमरजीत भगत, खेल एवं उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री श्री उमेश पटेल, पूर्व सांसद श्री नंदकुमार साय, रायगढ़ विधायक श्री प्रकाश नायक, सक्ती विधायक श्री राम कुमार यादव, रायगढ़ नगर निगम महापौर श्रीमती जानकी काटजू सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में 12 राज्यों के 270 प्रतिभागियों ने किया मार्च पास्ट

रायपुर। गुरुवार से राष्ट्रीय रामायण महोत्सव की शुरु हो गई है और इसमें 12 राज्यों के 270 प्रतिभागियों के साथ ही विदेशों से भी रामायण दल पहुंचा हुआ है। महोत्सव के शुरु होने से पहले इन दलों ने मार्च पास्ट किया। माधव कंदली असमिया रामायण के लेखक हैं, जिस तरह कृतिवास ने बंगला में अद्भुत रामायण रचा, उसी तरह असमिया रामायण भी असम में लोक परंपरा में गहराई से बसा है। 21 सदस्यीय दल असम से आया है। रामनामी समुदाय का मुख्य मंच के सामने पारंपरिक वेशभूषा में मार्च पास्ट। गोवा से छत्तीसगढ़ आए कलाकार दल ने भी मार्च पास्ट में लिया हिस्सा। झारखंड से आए 25 सदस्यीय दल ने अपने पारंपरिक वाद्ययंत्र और वेशभूषा में मार्च पास्ट किया। उन्होंने विशेष तरह के मुखौटे भी पहने हैं। केरल से कलाकारों का 12 सदस्यीय दल आया है। पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश का दल भी मार्च पास्ट में शामिल हुआ। इस दल में 25 सदस्य हैं। कर्नाटक से आए दल एवं महाराष्ट्र से आए 18 सदस्यीय कलाकार दल ने मार्च पास्ट में अद्भुत प्रस्तुति दी है।

नए एसपी तिवारी ने किया पदभार ग्रहण

मनेंद्रगढ़। जिले के नए पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने पुलिस अधीक्षक ने पदभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ने जिला पुलिस कार्यालय के सभी शाखाओं का जायजा लिया एवं थाना प्रभारियों की बैठक लेकर तत्परतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि आईपीएस श्री सिद्धार्थ तिवारी भारतीय पुलिस सेवा के 2015 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। वे मूलतः दिल्ली के निवासी हैं। इसके पूर्व वे पुलिस अधीक्षक कोंडागाँव और पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के पद पर पदस्थ थे।

समपार फाटक क्रमांक बीके 72 एवं बीके -93 को बंद होने से ट्रेने रद्द

बिलासपुर। रेलवे द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास नवाचार, नेटवर्क क्षमता में विस्तार तथा अधोसंरचना विकास हेतू विभिन्न कार्य किए जा रहे है जिससे यात्री सुविधाओं के साथ साथ रेल परिचालन और भी संरक्षित एवं निर्बाध गति से परिचालित किया जाएगा । इस कड़ी में 4 एवं 11 जून,को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-कटनी सेक्शन मे शहडोल-बधवाबारा एवं लोरहा-चंदिया रोड स्टेशन के मध्य समपार फाटक क्रमांक बीके-72 एवं बीके -93 को बंद कर उसके स्थान पर कट एवं कवर मेथड से लो हाईट सबवे (कम उचाई वाले भीतरी पुल) का निर्माण कार्य किया जायेगा। स्थानीय लोगों की सुविधा एवं मांग के दृष्टिगत तथा सड़क मार्ग को सुचारू रूप से परिचालित करने हेतु यह कार्य किया जाएगा । यह कार्य4 जून को 6.30 घंटे का एवं 11 जून को 07.30 घंटे का ट्रेफिक ब्लॉक कर इस कट एवं कवर मेथड से लो हाईट सबवे (कम उचाई वाले भीतरी पुल) का निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा ।

आधार कार्ड सम्बन्धित समस्याओं के निवारण शिविर का आयोजन आज

रायपुर। आधार कार्ड से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण के लिए रायपुर के शहीद स्मारक भवन में चिप्स तथा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के संयुक्त तत्वाधान में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में चिप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ शर्मा ने बताया कि यह शिविर 2 जून को प्रातः 10 बजे से 05 बजे तक संचालित होगा। जिसमें यूआईडीएआई के क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद से अधिकारीयों द्वारा समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। शिविर में ऐसे नागरिक जिनके आधार नहीं बन पाए हैं, आधार गुम हो गए, बायोमेट्रिक्स व डेमोग्राफिक्स (निवास व पता) अपडेट, जन्मतिथि, नाम, लिंग अपडेट, ई-आधार डाउनलोड करने में परेशानी, मोबाइल अपडेट होने के बावजूद ओटीपी नहीं आने सहित अनेक समस्याओं का निराकरण शहीद स्मारक रायपुर में आयोजित शिविर में किया जाएगा।

छत्तीसकोश एप की लांचिंग 10 जून को

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) के अध्यक्ष श्री गणेश कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को श्री गणेश कर ने नाचा द्वारा बनवाए गए छत्तीसगढ़ी एप छत्तीसकोश के लांच कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को श्री गणेश कर ने बताया कि इस एप में अंग्रेजी भाषा के 25000 शब्दों का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किया गया है। साथ ही 22 साहित्यकारों की कहानी, निबंध, उपन्यास आदि के संग्रह भी एप पर उपलब्ध हैं। इस एप का लाभ सभी छत्तीसगढ़ी भाषी व भाषा में रुचि रखने वाले सुधिजन उठा सकेंगे। छत्तीसकोश एप का लांच आगामी 10 जून को राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नाचा संगठन को छत्तीसकोश एप के निर्माण के लिए बधाई देते हुए आमंत्रण हेतु धन्यवाद दिया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पटवारी के साथ कृषक भी प्रभावित है हड़ताल से

- *आंदोलनकारियों से बात न करना सरकार की हठधर्मिता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव बुधवार को पटवारियों की हड़ताल को समर्थन देने नया रायपुर के धरनास्थल पर पहुँचे। उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक शिवरतन शर्मा तथा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा भी थीं।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि पिछले लगभग पखवाड़ेभर से अधिक का समय बीतने के बाद भी प्रदेश सरकार आंदोलनरत पटवारियों की न तो मांगें पूरी कर रही है और न ही उनसे चर्चा कर रही है। प्रदेश में राजस्व संबंधी कार्य प्रदेश सरकार की हठवादिता के कारण ठप पड़े हैं। प्रदेश सरकार को संवेदनशील होकर पटवारियों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। प्रदेशभर में आंदोलनरत 5 हजार पटवारी शासकीय मशीनरी के महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं और उनकी अनदेखी करना अन्यायपूर्ण है। श्री साव ने पटवारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए इस बात पर अफ़सोस जताया कि बजट में दो बार प्रावधान करने के बाद भी प्रदेश सरकार ने पटवारियों को स्टेशनरी भत्ता नहीं दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि कार्यसंपादन के लिए पटवारियों को आवश्यक सामग्री व संसाधन मुहैया कराना प्रदेश सरकार की ज़िम्मेदारी है। श्री साव ने कहा कि भाजपा पटवारियों की मांगों को हर मंच पर उठाएगी और जरूरी हुआ तो विधानसभा में भी आवाज उठाई जाएगी। पटवारियों को धरना की अनुमति रायपुर शहर में नहीं दिए जाने को निर्दयतापूर्ण निर्णय बताकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए श्री साव ने बाद में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि दो साल पहले पटवारियों को दिया गया आश्वासन भी सरकार ने पूरा नहीं किया है। पटवारियों की हड़ताल से खेती-किसानी के काम पर असर पड़ रहा है, लेकिन संवेदनहीन प्रदेश सरकार को न पटवारियों की फिक्र है और न ही परेशान हो रहे किसानों की फिक्र है। श्री साव ने कहा कि प्रदेश सरकार तुरंत पटवारियों की मांगों पर विचार करे, पटवारी संघ के पदाधिकारियों से चर्चा करे और उनकी न्यायसंगत मांगों को पूरा करे।

बीएसयूपी कॉलोनी को दिया 87 लाख के सड़क डामरीकरण की सौगात

रायपुर। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्ड में डामरीकरण लगभग पूर्ण होने को है इसी विकास क्रम में उत्तर विधानसभा के विधायक एवम छत्तीसगढ गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष श्री कुलदीप सिंह जुनेजा ने मदर टेरेसा वार्ड बीएसयूपी कॉलोनीवासियों को 87 लाख के सड़क डामरीकरण की सौगात दी है जिसका उत्तर विधानसभा क्षेत्र के समस्त वार्ड पार्षदो के साथ विधिवत पूजन कर श्रीफल फोड़कर भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया श्री जुनेजा ने इस क्षेत्र में पूर्व भी बड़े विकास कार्य की स्वीकृति दी है जिसमे 30लाख के सामुदायिक भवन, शेड निर्माण एवम सफाई अभियान चलाकर क्षेत्र का उद्धार किया है श्री जुनेजा ने क्षेत्रवासियों के साथ पैदल चलकर क्षेत्र समस्याओं से अवगत हुए एवम जल्द निराकरण करने के लिए आश्वस्त किया इस अवसर पर एम आई सी सदस्य सुरेश चन्नावर, एम आई सी सदस्य आकाश तिवारी, एम आई सी सदस्य रितेश त्रिपाठी,पार्षद शीतल कुलदीप बोगा, एल्डरमैन सुनील भुवाल,पार्षदनीलम नीलकंठ अरमान खान,दीपक बघेल,राकेश वाकड़े,दिनेश सहिस,इमरान खान,रसीद बाघ,अमित कोसरिया, मीणा साहू,दीपक भारतद्वाज सहित क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

जो लोग आज भाजपा में शामिल हो रहे हैं कोई फर्क नहीं पड़ने वाला : भूपेश बघेल

रायपुर। राम और रामायण को लेकर सियासी पारा भी छत्तीसगढ़ में चढ़ा हुआ है। रायगढ़ में हो रहे महती आयोजन को लेकर जहां भारी उत्साह है इसलिए कि नामचीन हस्तियां रामायण पर संवाद करेंगे। भाजपा को यह रास नहीं आ रही है,मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इन्हे आड़े हाथों लेते हुए कहा कि दुख में सुख में सबमें हम राम का स्मरण करते हैं,भाजपा केवल चुनाव के समय याद करती है. बघेल ने कहा, वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि राम तो आदि और अंत दोनों हैं। छत्तीसगढ़ से उनका विशिष्ट नाता है। वे कौशल्या के राम हैं, वे शबरी के राम हैं। हम उन्हें अनेक रूपों में देखते हैं। पूजते हैं और स्मरण करते हैं। दुख में सुख में सबमें हम राम का स्मरण करते हैं। भाजपा को केवल चुनाव के समय राम को याद करती है। दोनों में अंतर यही है क्योंकि पीएम मोदी से पहले महात्मा गांधी जिनको गोली लगी और गोली लगने के बाद प्राण त्यागते हुए उन्होंने हे राम कहा, जबकि ये तो कहते हैं कि आजादी भी 2014 के बाद मिली, ये उसी संस्कृति के लोग हैं।

बघेल ने छत्तीसगढिया स्टार अनुज शर्मा के भाजपा में शामिल होने पर कहा, अनुज और बाकी लोग पहले भी उन्हीं के साथ थे। जब रमन सिंह मुख्यमंत्री थे तब वे उनके निवास में ही बैठे रहते थे। आज अगर भाजपा में शामिल हो गए हैं तो कोई नई बात नहीं है। बघेल ने कहा, राजीव गांधी किसान न्याय योजना में अगर हम किसानों को कुछ दे रहे हैं। गरीब परिवार को 35 किलो चावल दे रहे हैं, 400 यूनिट बिजली बिल आधे रेट में दे रहे हैं। भूमिहीन श्रमिक न्याय योजना दे रहे हैं,या फिर गोधन योजना में गोबर खरीद कर रहे हैं। ये सब पीएम मोदी को रेवड़ी लगता है। पीएम कहते हैं कि ये रेवड़ी संस्कृति है। लेकिन ये देकर भी भारत सरकार या भाजपा शासित किसी राज्य से तुलना कर लें। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था उससे बेहतर है।

नांदघाट वितरण केंद्र के ग्राम मल्दा में नया विद्युत उपकेंद्र ऊर्जीकृत

- 12 ग्रामों के लगभग 1800 उपभोक्ताओं को मिलेगी पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के तहत विभागीय संचारण-सधारण संभाग बेमेतरा के अंतर्गत नांदघाट वितरण केंद्र के ग्राम मल्दा (खपरी) में 3.15 एम.व्ही.ए. क्षमता के नये 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र को ऊर्जीकृत किया गया। ग्राम मल्दा (खपरी) में नया उपकेंद्र बन जाने से लगभग 1800 उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर ने बताया कि उक्त विद्युत उपकेंद्र के निर्माण से संबंधित क्षेत्र के 12 ग्रामों के लगभग 1800 उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज एवं विद्युत व्यवधान की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि नांदघाट के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम खपरी, केशला, चिरैया, भदरली, घोघराली, सेनगांव, कंहरपुर, मल्दा, खमरिया, मूठपुरी और आसपास के क्षेत्र को अब निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा है कि कंपनी अपने कार्यक्षेत्र के सभी बिजली उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। इसी दिशा में पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में निरंतर उपभोक्ता सुविधाओं का विस्तार और विद्युत प्रणाली सुदृढ़ीकरण के कार्य किये जा रहे हैं। श्री जामुलकर ने निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के लिए अधीक्षण अभियंता श्री सलिल कुमार खरे, कार्यपालन अभियंता श्री जलालुद्दीन, श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद एवं श्री जे.एस.भटनागर, सहायक अभियंता श्री मनीश अग्रवाल, श्री सी.एल.वर्मा, भानुप्रताप पटेल एवं जयकुमार ठाकुर तथा कनिष्ठ अभियंता श्री अनिल चन्द्राकर सहित उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद दो गुटों में जमकर चले लात-घूंसे, एक-दूसरे के फाड़े कपड़े

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की गुटबाजी सामने आई है। आपसी कलह के चलते सूरजपुर जिले में कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर लात-घूंसे चले। एक-दूसरे को जमीन पर पटक दिया और उनके कपड़े फाड़ दिए। इस दौरान वहां पर मौजूद लोगों में किसी की भी उनको रोकने की हिम्मत नहीं हुई। हालांकि मारपीट के बाद मामला अपने आप शांत हो गया। इस पूरी घटना का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आपसी विवाद में भिड़े कार्यकर्ता

जानकारी के मुताबिक, भैयाथान विकासखंड के ग्राम सिरसी में 28 मई को कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन था। इसमें विधायक पारस नाथ राजवाड़े सहित कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे थे। सम्मेलन खत्म होते ही किसी बात को लेकर कार्यकर्ताओं के दो गुट में विवाद हो गया। इसके बाद उनमें मारपीट शुरू हो गई। कार्यकर्ता एक-दूसरे को लात-घूंसों से पीटने लगे। इस दौरान जो जमीन पर गिरता उसे जूतों से बुरी तरह मारा जाता। कई लोगों को जमीन पर पटककर उनके कपड़े फाड़ दिए।

घटना के तीन दिन बाद वीडियो वायरल

इस दौरान वहां खड़े लोग तमाशबीन बने रहे। कुछ महिलाओं ने हिम्मत कर उन्हें छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे। काफी देर तक मारपीट और हंगामा चलता रहा। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल पर इसका वीडियो बना लिया। मारपीट के तीन दिन बाद अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मारपीट को लेकर विधायक पारस नाथ राजवाड़े ने भी कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई है, लेकिन वीडियो के वायरल हो जाने से कांग्रेस की जमकर किरकिरी हो रही है।

मुख्यमंत्री बघेल की आर्थिक सहायता से खिलेश का डॉक्टर बनने का सपना होगा पूरा

रायपुर। रायपुर जिले के धरसीवां विकासखंड के ग्राम परसतराई का होनहार छात्र खिलेश को अब एमबीबीएस की पढ़ाई में आर्थिक संकटों का सामना नहीं करना पड़ेगा,अब उनका डॉक्टर बनने का सपना आसानी से पूरा हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने खिलेश को मेडिकल के पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद की है। खिलेश ने इस वर्ष नीट की परीक्षा पास कर एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया है। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मेडिकल की पढ़ाई शासन द्वारा मिली आर्थिक सहायता के बिना संभव नहीं था। साधारण परिवार से आने वाले खिलेश के पिता की आकस्मिक मृत्यु वर्ष 2013 में हो गई। जिसके बाद उनकी मां हीरामणी वर्मा ने घर और अपने दोनों बच्चों की जिम्मेदारियां संभाली।दिव्यांग हीरामणी ने अपने दोनों बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई पूरी करवाई और उनको उच्च शिक्षा के लिए तैयार भी किया।वर्तमान में खिलेश का भाई सिविल इंजिनियरिंग की पढ़ाई

- राज्य के जरूरतमंद होनहार बच्चों को इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई के लिए दी जा रही आर्थिक सहायता

जगदलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से कर रहा है वही खिलेश अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने के सपने की ओर अपने कदम बढ़ा लिए है।

आर्थिक कठिनाईयों के कारण उसका परिवार मेडिकल कॉलेज का फीस वहन करने की चिंता थी। इस बात की जानकारी होने पर क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनिता योगेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक यह बात पहुंचाई। मुख्यमंत्री जी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल 4 लाख रुपए की राशि खिलेश के पढ़ाई और फीस के लिए जारी की।इससे खिलेश और उसके परिवार का सपना पूरा होने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के जरूरतमंद होनहार बच्चों को इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। छात्र खिलेश वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आर्थिक संकटों की वजह से उनकी उच्च शिक्षा का शुल्क देना संभव नहीं हो पा रहा था,पर अब सहायता मिल जाने से मेडिकल की पढ़ाई आसानी से हो पाएगी।

इसी तरह खिलेश की मां हीरामणि कहती है कि खिलेश के पिता का भी सपना था की उनका बेटा डॉक्टर बने। उनकी मृत्यु के बाद परिवार जनों से बहुत सहारा मिला जिससे वह अपने दोनों बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई पूरी करवा पाई। खिलेश ने अपनी लगन और मेहनत से नीट की परिक्षा तो पास कर ली पर हमें मेडिकल की फीस भरपाने में समस्या हो रही थी। जब मुख्यमंत्री जी तक यह बात पहुंची तो उन्होंने तुरंत फीस के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। जिसके लिए वह उनका बहुत बहुत आभार व्यक्त करतीं हैं।

पूर्व आईएएस अफसर, दो पद्मश्री सम्मानित समेत कई नामचीन हस्तियां भाजपा में शामिल

प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा - यह छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए शुभ संकेत, प्रदेश में कांग्रेस और उसकी सरकार की उलटी गिनती शुरू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर गुरुवार को छत्तीसगढ़ की जानी-मानी हस्तियों ने सैकड़ों साथियों-प्रशंसकों के साथ भाजपा प्रवेश किया। भाजपा में प्रवेश करने वालों में पद्मश्री सम्मान प्राप्त हस्तियां, पूर्व आईएएस, समाज प्रमुख, जन प्रतिनिधि, किसान, छात्र, अधिवक्ता, फिल्म प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, प्रोडक्शन मैनेजर,व्यापार जगत की मशहूर हस्तियां, राज्यअलंकरण पुरस्कार से पुरस्कृत और अंतरराष्ट्रीय ख्यति प्राप्त छत्तीसगढ़ी लोककला के अग्रणी कलाकार शामिल हैं।

गुरुवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में हुए एक भव्य समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव,प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा ,प्रदेश महामंत्री द्वय केदार कश्यप व विजय शर्मा, सांसद सुनील सोनी, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत,प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, सहित वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे। भाजपा प्रवेश करने वालों में विभिन्न विधाओं के राज्य अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित हस्तियां, पद्मश्री राधेश्याम बारले के नेतृत्व में, दुर्ग संभाग के 169 कलाकारों के साथ ही रायपुर संभाग के लगभग 100 व बिलासपुर संभाग के 28 कलाकारों सहित 309 कलाकारों ने भाजपा प्रवेश किया। इसी तरह पद्मश्री अनुज शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ फिल्म इंडस्ट्रीज के एक दर्जन कलाकारों और आधा दर्जन प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, प्रोड्क्शन मैनेजर , एक दर्जन कृषकों सहित 52 लोगों ने भाजपा प्रवेश किया जिनमें छात्र, व्यापारी और अधिवक्ता भी शामिल हैं। भाजपा शामिल होने वालों में अनेक जिलों के कलक्टर रहे, पूर्व संयुक्त सचिव, एडमिनिस्ट्रेटिव रिफार्म्स कमीशन के पूर्व सेक्रेटरी राजपाल सिंह त्यागी भी शामिल हैं।

अखिल भारतीय मरार, माली, कुशवाहा, मौर्य, सैनी महासभा छत्तीगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग के रायपुर संभाग के 28 समाज प्रमुखों ने भाजपा में प्रवेश लिया। रायपुर संभाग के गोंड आदिवासी समाज के प्रमुख युवा समाजसेवी विजय ध्रुव के नेतृत्व में धमतरी-सिहावा क्षेत्र के साहू समाज, निषाद समाज, सेन समाज, कुर्मी समाज और अनुसूचित जाति वर्ग के 35 युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ली।रायपुर नगर निगम के निर्दलीय पार्षद अमर बंसल के नेतृत्व में 28 समाजसेवियों ने भी भाजपा का दामन थामा। स्वामी कृष्ण प्रपन्नाचार्य, हाईकोर्ट एडवोकेट निशांत श्रीवास्तव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सेवानिवृत्त शासकीय सेवक अभनपुर क्षेत्र के ईश्वरलाल साहू, रायपुर के अधिवक्ता त्रय दीनबंधु गौर, प्रवीण पाल व रामकृष्ण ध्रुव ने भी भाजपा की सदस्यता ली।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री साव ने इस अवसर पर भाजपा की सदस्यता लेने वाले सभी गणमान्य लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में भाजपा के लिए शुभ संकेतों का प्रारंभ है और इस बात पर मुहर भी है कि प्रदेश में कांग्रेस और उसकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

प्रदेश के लोग कांग्रेस के कुशासन से बेहद त्रस्त हो चले हैं और अब वे भारतीय जनता पार्टी की ओर विश्वास भरी नजरों से निहार रहे हैं।श्री साव ने कहा कि प्रदेश का जनमानस भाजपा की रीति-नीति, कार्यक्रमों और विचारधारा से प्रभावित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों व सुशासन ने देशवासियों के भीतर विश्वास उत्पन्न किया है, जबकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने वादाखिलाफी, घोटाले और भ्रष्टाचार करके छत्तीसगढ़ को कुशासन दिया है और प्रदेश में चहुं ओर असुरक्षा व अविश्वास का वातावरण निर्मित किया है। श्री साव ने कहा कि भाजपा के सुशासन से प्रभावित होकर कांग्रेस के कुशासन को उखाड़ फेंकने के लिए प्रदेश का मतदाता कृतसंकल्पित हो गया है।

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए कार्यक्रम जारी

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के पहले 1 अक्टूबर 2023 की अर्हता तिथि में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यकम के अनुसार प्रदेश में विगत 25 मई से पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियां प्रारंभ हो गई हैं। मतदान केन्द्र के बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। सभी जिलों के मतदान केन्द्रों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालय में 2 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, छत्तीसगढ़ की वेबसाइट में भी इसे प्रकाशित किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनसे प्रत्येक बूथ पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) नियुक्त करने का आग्रह किया है। श्रीमती कंगाले ने बैठक में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और ईवीएम/वीवीपैट मशीनों की जिला स्तर पर एफएलसी (फर्स्ट लेवल चेकिंग) के लिए निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी दी। प्रदेश के सभी जिलों में ईवीएम/वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच आगामी 10 जून से 27 जून 2023 के बीच संपादित की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने बैठक में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार 2 अगस्त को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। 2 अगस्त से 31 अगस्त तक राज्य के सभी मतदान केन्द्रों में मौजूद अभिहित अधिकारी/बीएलओ द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, विलोपन एवं संशोधन के लिए दावा-आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। दावा-आपत्ति के निराकरण के लिए इस बीच 12 अगस्त और 13 अगस्त तथा 19 अगस्त और 20 अगस्त को राज्य के सभी मतदान केन्द्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। 22 सितम्बर तक दावा-आपत्ति का निराकरण किया जाएगा। इसके बाद 29 सितम्बर तक तैयार मतदाता सूची के हेल्थ पैरामीटर्स की जांच और आयोग से इसके अंतिम प्रकाशन की अनुमति प्राप्त करने व डॉटाबेस को अद्यतन करने के साथ पूरक सूची का मुद्रण किया जाएगा। 4 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लोगों से दावा-आपत्ति प्राप्त करने के लिए आयोग द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप एवं वोटर सर्विस पोर्टल लांच किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने सभी दलों एवं लोगों से अधिक से अधिक आवेदन ऑनलाइन भरने का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव : दूसरे दिन 8 राज्यों के रामायण दल देंगे प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित किया जा रहा 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' के दूसरे दिन ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय कलाकार बाबा हंसराज रघुवंशी और लखबीर सिंह लक्खा भजनों की प्रस्तुति देंगे। गौरतलब है कि 01 से 3 जून तक रायगढ़ के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में किए जा रहे इस महोत्सव में रामायण के अरण्य काण्ड पर रामायण दलों की प्रतियोगिता प्रतिदिन आयोजित हो रही है। छत्तीसगढ़ के लोक गायक श्री दिलीप षड़ंगी अपनी टीम के साथ महोत्सव में प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। इसके साथ ही साथ प्रतिदिन रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दूसरे दिन का मंचीय कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा। संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे तथा स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में दोपहर 2.15 बजे हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ होगा तथा दोपहर 2.30 से रात्रि 8.30 बजे तक आयोजित अरण्यकाण्ड पर आधारित प्रतियोगिता में 8 राज्यों झारखण्ड, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, असम, ओड़िसा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और छत्तीसगढ़ के दल हिस्सा लेंगे।

महापौर ने निगम जोन 9 के कार्यों की समीक्षा की, दिए निर्देश

रायपुर । नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के प्रथम तल पर महापौर कार्यालयीन कक्ष में जोन अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती द्रोपती हेमन्त पटेल सहित पार्षद श्रीमती सुशीला धीवर ,रोहित साहू, गोपेश साहू, धनेश बंजारे,श्रीमती सीमा संतोष साहू , एल्डरमेन श्री पप्पू बन्दे, जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियन्ता के. के. शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लवनिया सहित सम्बंधित जोन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में बैठक लेते हुए निगम जोन 9 के कार्यों की समीक्षा की एवं जनहित की दृष्टि से आवश्यक निर्देश जोन अधिकारियों को दिये. महापौर श्री एजाज ढेबर ने अधिकारियों को जोन 9 के समस्त 7 वार्डों की सभी नालियों एवं नालों की अभियान चलाकर बारिश के पूर्व सफाई करवाते हुए मानसून की बारिश के पूर्व गन्दे पानी के निकास प्रबंधन को वार्डों में सुगम बनाने के निर्देश दिये हैं, ताकि किसी भी स्थान पर जल के भराव की समस्या ना आने पाये. जोन 9 के कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में बताया कि जोन 9 के सभी 7 वार्डों के समस्त बड़े नालों एवं नालियों की एक राउंड सफाई पूर्ण की जा चुकी है एवं नालों एवं नालियों की बारिश के पूर्व सफाई का दूसरा राउंड तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है.

बैठक में विकास कार्यों के सम्बन्ध में वार्ड के पार्षदगणों के साथ चर्चा की एवं उनसे सुझाव मांगे. सड़क बत्ती व्यवस्था का श्रेष्ठ प्रबंधन एवं संधारण कार्य करवाने जोन से नियमानुसार कार्यवाही कर समुचित प्रकाश व्यवस्था वार्डों में प्रगतिरत समस्त विकास कार्यों को तेज गति जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से प्रदान करना सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया।

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित किया जा रहा 'राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' के दूसरे दिन प्रस्तुति देते कलाकार।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

जिन बेटियों ने देश का मान बढ़ाया मोदी सरकार उनको अपमानित कर रही: मरकाम

रायपुर। दिल्ली आंदोलनरत महिला पहलवानों के साथ केन्द्र सरकार के द्वारा किया जा रहा व्यवहार बेहद ही आपत्तिजनक और निदंनीय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि महिला पहलवानों के साथ मोदी सरकार और भाजपा जो रवैय्या अपना रही है यही भाजपा का नारी विरोधी चरित्र है। स्वंय को राष्ट्रवादी पार्टी होने का दंभ भरने वाली भाजपा देश की आधी आबादी को अपमानित कर रही है। पहलवान बेटियां भारत की आन बान शान है, लेकिन मोदी सरकार अपने अहंकार में उनके साथ अन्याय पर ऊतारू है। जिस देष में नारियों की पूजा होती है वहां पर बेटियों को अपमानित करने का महापाप मोदी सरकार कर रही है। जिन बेटियों ने देश का मान बढ़ाया मोदी सरकार उनको अपमानित कर रही।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पूरी भाजपा दुराचारी के समर्थन में खड़ी नजर आ रही है। दिल्ली में देश की नामचीन महिला पहलवान एक दुराचारी के खिलाफ आंदोलनरत है जो भाजपा का सांसद भी है। भाजपा के सांसद कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ पांच-छः महिला पहलवानों के साथ यौन शोषण के आरोप लगे है। महिला पहलवान रो-रोकर न्याय की गुहार लगा रही है।

बस्तर अभी भाजपा मुक्त है और रहेगा: धनंजय ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में बस्तर की जनता ने कांग्रेस को 11 विधानसभा सीटों में जीत दिलाकर सरकार बनाने की जिम्मेदारी दी थी और उसके बाद हुये दंतेवाड़ा के उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी को जीताकर बस्तर को भाजपा से मुक्त किया है। वर्तमान में बस्तर भाजपा मुक्त है और 2023 के आम चुनाव में भी बस्तर की जनता बस्तर को भाजपा से मुक्त रखेगी।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बस्तर की जनता ने 15 साल के रमन भाजपा सरकार के आततायी चरित्र को देखा और झेला है उस दौरान बस्तर की जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे सुविधाओं के लिए तरसते रही है। बस्तर की जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करने के लिए रमन सरकार ने कई काले षड़यंत्र किये। बस्तर लाल आतंक से जल रहा था, बस्तर के लोग बस्तर छोड़ने मजबूर थे। रमन सरकार के दौरान 700 से अधिक गांव के आदिवासी पलायन कर गए और उनके घरों को आग लगा दिया गया था, बस्तर उस 15 साल के डरावने दिनों को भूली नही है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने आदिवासियों के मान सम्मान को वापस दिला आया है, आदिवासियों को पेसा के नियम बनाकर उनके कानूनी अधिकार दी है, बस्तर के लोहंडीगुड़ा में 1700 आदिवासी परिवार के 4200 एकड़ जमीन को लौटाकर इतिहास रचा है।

प्लांट के निर्माण से किसानों को मिलेगा सीधा फायदा

रायपुर। प्रदेश का सबसे बड़ा इथेनॉल प्लांट कोंडागाँव जिले के ग्राम कोकोड़ी में बन रहा है। आज निर्माणाधीन मां दन्तेश्वरी मक्का प्रसंस्करण सहकारी समिति द्वारा संचालित इथेनॉल संयत्र निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे बस्तर के कमिश्नर श्री श्याम धावड़े ने बताया कि इस प्लांट में पूरे बस्तर संभाग के मक्के का उपयोग होगा। इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से 60 से 70 हजार किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। नए रोजगार का सृजन होने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी तकनीकी मापदण्डों का परिपालन करने सहित गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए प्लांट निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का भी अवलोकन किया और प्रगति पर संतुष्टि जाहिर की। इथेनॉल प्लांट को अगस्त 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को प्लांट का सतत रूप से निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। इथेनॉल प्लांट निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति सहित पर्यावरणीय, सतही एवं भूगर्भीय जल प्रयोग की अनुमति मिल गयी है। इस मौके पर कलेक्टर श्री दीपक सोनी सहित इथेनॉल प्लांट के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केएल उईके प्लांट निर्माण से जुड़े ईपीसी मौज इंजीनियरिंग, प्लांट मैनेजिंग कन्सलटेंसी, च्वाइस कन्सलटेंसी के प्रतिनिधी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव से छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक वैभव फैलेगा: सुशील आनंद शुक्ला

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव से छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक और पौराणिक वैभव सारी दुनिया में फैलेगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राम वन गमन पथ, माता कौशल्या मंदिर निर्माण के बाद अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन करवा कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साबित कर दिया कि वे सच्चे राम भक्त है। इसके पहले भी कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में फैली रामायण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करवाया था। माता कौशल्या महोत्सव के बाद रामायण महोत्सव आयोजन से माता कौशल्या और भांचा राम के साथ छत्तीसगढ़ का पुरातन नाता फिर से जीवंत हो गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जब से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रामकाज कर रहे है भाजपाई की तिलमिलाहट बढ़ती जा रही है। भाजपाईयों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है कि कांग्रेस सरकार कैसे काम काज कर रही है? जो काम भाजपा 15 साल में नहीं कर पाई भूपेश बघेल उसे साढ़े चार साल में कर के दिखा दिये। भाजपा भगवान राम के नाम पर राजनीति करती है। छत्तीसगढ़ में 15 साल भाजपा की सरकार थी कभी राम वन गमन पथ, माता कौशल्या के मंदिर को बनाने का ख्याल भाजपा के मन में नहीं आया।

सभी जोन कमिश्नर जोन में सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था करें : आयुक्त

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त मयंक चतुर्वेदी ने सभी 10 जोन कमिष्नरों को नागरिको के स्वास्थ्य को प्राथमिकता से ध्यान रखते हुए जोन में सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देष दिये है ताकि नागरिको के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव न पड़े। निर्देषित किया गया है कि कृपया ध्यान रखें कि जनहित में जनस्वास्थ्य को किसी प्रकार से सफाई के अभाव में विपरीत प्रभाव न पड़े, इस हेतु तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देषित किया गया है। आज दिनांक 1 जून 2023 को प्रात: 6:30 बजे नगर पालिक निगम रायपुर में यह सूचना प्राप्त हुई कि कुछ ठेकेदार निगम क्षेत्र में सफाई कार्य बंद कर आम नागरिको के स्वास्थ्य को संकट में डालते हुए हड़ताल पर चले गये है, जो ठेके की अनुबंध की शर्त का पूर्ण रूप से उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस दिनांक 31 मई 2023 को सभी ठेकेदारो द्वारा हडताल की सूचना के उपरांत 12 बजे निगम में बैठक हुई जिसमें सफाई ठेकेदारों के 2 माह के लंबित देयको के भुगतान से संबंधित प्रमुख मांग को मान्य करते हुए 7 दिवस में 2 माह के लंबित देयको का भुगतान करने के निर्देष आयुक्त ने सभी जोन कमिष्नरों को दे दिये है। इससे सभी ठेकेदार सहमत होते हुए हडताल नहीं करने की सहमति के साथ बैठक संपन्न हुई। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देष दिये है।

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के मामले में बनाया विश्व रिकार्ड

- एक दिन में 12.38 लाख लोगों ने ली पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा
- मुख्यमंत्री बघेल की जनभागीदारी की अपील का असर, बने तीन नए विश्व रिकार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज 01 जून को 12 लाख 38 हजार 116 लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा मिशन लाईफ कार्यक्रम के अंतर्गत 1 जून 2023 को प्रात: 8 बजे से शाम 5 बजे तक शपथ का कार्यक्रम रखा गया था। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी से जागरूकता लाने की छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, ई.आई.ए.सी.पी की यह अभिनव पहल थी, जिसमें एक ही दिन में पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने दैनिक जीवन में बदलाव लाने हेतु शपथ का लक्ष्य रखा गया था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण मण्डल के इस अभियान में भागीदारी की अपील करते हुए कहा था कि यह शपथ ही नहीं बल्कि एक जन अभियान है, जो नवा छत्तीसगढ़ में एक कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री की अपील का असर हुआ और राज्य में हर वर्ग के लोगों ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल की मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक दिन में 12 लाख 38 हजार 116 से अधिक लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेकर विश्व रिकार्ड कायम किया। रायपुर जिले में एक दिन में सबसे अधिक शपथ का विश्व रिकार्ड टूटा और 1 लाख 75 हजार 209 शपथ के साथ मण्डल ने लिमका बुक ऑफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। साथ ही पूरे राज्य में 12 लाख 38 हजार 116 से अधिक लोगों ने शपथ लेकर इंडिया स्टार बुक ऑफ रिकार्ड एवं वर्ल्ड रिकार्ड बुक में मण्डल ने अपना नाम दर्ज कराया। छत्तीसगढ़ के आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री मोहम्मद अकबर एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के अध्यक्ष श्री सुब्रत साहू ने प्रदेश की जनता को धन्यवाद देते हुए मण्डल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। मण्डल के सदस्य सचिव श्री आर.पी. तिवारी ने इन जनभागीदारी में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

नगर पंचायत खरोरा में उप चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

- 27 जून को डाले जाएंगे वोट, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद का होगा चुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा रायपुर जिले की खरोरा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 13 में रिक्त पार्षद पद के लिए उप चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। उप चुनाव से पार्षद निर्वाचन के लिए आवश्यक हुआ तो 27 जून को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम के घोषणा के साथ ही नगर पंचायत खरोरा के वार्ड क्रमांक 13 में निर्वाचन कार्यवाहियां संपन्न होने तक आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है।राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार निर्वाचन के सूचना का प्रकाशन 2 जून को सुबह 10.30 बजे होगा। इसी दिन सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन और मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन भी किया जायेगा। 2 जून सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। नाम निर्देशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 9 जून समय दोपहर 3 बजे तक होगी। 10 जून को सुबह 10.30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की जांच की जाएगी। अभ्यर्थी 12 जून को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर प्रकाशित करना और निर्वाचन चिन्हों का आवंटन 12 जून को ही किया जाएगा। आवश्यक हुआ तो वार्ड पार्षद चुनाव के लिए 27 जून को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतों की गणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 30 जून को प्रात: 9 बजे की जाएगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.